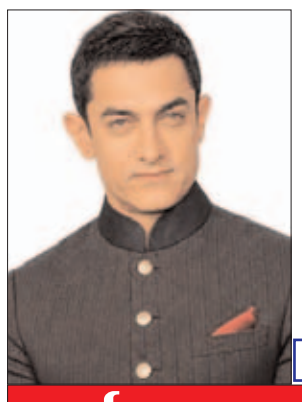

हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.-DELHIN/2009/30015

गौरव पूर्ण भारत

5 आमिर खान की लाडली के साथ हिरासत में बर्बरता....

gauravpuranbharat@gmail.com

6 रिंकू सिंह-माधव कौशिक के शतक; यूपी के बल्लेबाजों का जलवा...

वर्ष-18 अंक-10 नई दिल्ली, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 पृष्ठ- 6 मूल्य 1 रुपये

आज तकनीक, डेटा, ज्ञान और नवाचार ही शक्ति के नए स्रोत

'पावर टू एम्पावर' ही नए युग की सबसे बड़ी ताकत-पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'पावर टू एम्पावर' (सशक्तिकरण की शक्ति) की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि आज के दौर में तकनीक, डेटा, ज्ञान और नवाचार ही असली शक्ति हैं, लेकिन इनकी वास्तविक कीमत इस बात में है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जाता है। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष के फोरम का विषय उभरती शक्तियों पर आधारित है और 21वीं सदी के तीसरे दशक में दुनिया बड़े बदलावों से गुजर रही है। आज तकनीक, डेटा, ज्ञान और नवाचार ही शक्ति के नए स्रोत बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि असली सवाल यह नहीं है कि शक्ति किसके पास है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है। क्या तकनीक केवल कुछ लोगों को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होगी या फिर करोड़ों लोगों के लिए नए अवसर पैदा करेगी। क्या ज्ञान सिर्फ कुछ लोगों की ताकत बना रहेगा या सभी को सशक्त बनाएगा। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यहीं से 'पावर टू एम्पावर' का विचार जन्म लेता है। उन्होंने कहा, नियंत्रण की शक्ति से आगे बढ़कर सशक्त बनाने की शक्ति है, प्रतिस्पर्धा की शक्ति से आगे सहयोग की शक्ति है और केवल स्वयं सफल होने से आगे दूसरों को सफल बनाने

की शक्ति है। पीएम मोदी ने पहली बार भारत में इस फोरम के आयोजन का स्वागत करते हुए कहा, हर साल इस फोरम में हम अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आदि पर चर्चा करते हैं। पहली बार इसका आयोजन भारत में हो रहा है। मैं मिस्टर ब्लूमबर्ग से कहना चाहूंगा कि उन्होंने सही समय पर सही जगह चुनी है। फोरम की थीम अ वर्ल्ड इन प्ले- डिफाइनिंग द न्यू लीवर्स ऑफ पावर है। इसमें दुनिया के 500 से ज्यादा प्रभावशाली सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के लीडर्स भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस नजरिए के लिए सोच में बदलाव जरूरी है— नियंत्रण के बजाय सशक्तिकरण, प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग और व्यक्तिगत सफलता के बजाय दूसरों को सफल बनाने को प्राथमिकता। उन्होंने कहा, इससे एक नई सोच को बढ़ावा मिलता है—सशक्त बनाने की शक्ति। नियंत्रण करने की शक्ति से आगे, सक्षम बनाने की शक्ति। प्रतिस्पर्धा करने की शक्ति से आगे, सहयोग करने की शक्ति। सफल होने की शक्ति से आगे, दूसरों को सफल होने में मदद करने की शक्ति। पीएम मोदी ने याद दिलाया कि ज्ञान, धन और शक्ति का इस्तेमाल बड़े मकसद के लिए करना भारत के लिए नई बात नहीं है। उन्होंने कहा, शक्ति की असली कीमत उसके मकसद में होती है। जिस किसी के पास भी ज्ञान, धन और शक्ति है, वह उनका इस्तेमाल कैसे करता है, यह बहुत जरूरी है। हमारी हजारों साल पुरानी परंपरा ने हमें यही सिखाया है, और भारत में हमने अपनी गवर्नेंस में इसे करके दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत अपनी यात्रा के एक अहम मोड़ पर खड़ा है।

भारत का संयुक्त राष्ट्र में जोरदार बयान: आतंकवाद को मानवता के खिलाफ अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि आतंकवाद को मानवता के खिलाफ अपराधों की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए। देश का मानना है कि इन अपराधों की रोकथाम और सजा के लिए तैयार हो रहे नए अंतरराष्ट्रीय समझौते में आतंकवाद को भी जगह दी जानी जरूरी है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन की काउंसलर आर. मैथिली ने सोमवार को जनरल असेंबली की छठी समिति की बैठक में कहा, आतंकवादियों द्वारा किए गए अपराध और अत्याचार, जो तय पैमाने पर खरे उतरते हैं, उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के दायरे में उचित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। यह समिति कानूनी मामलों पर काम करती है और मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े 2028 के सम्मेलन पर चर्चा कर रही थी। मैथिली ने जोर दिया कि आतंकवादी गतिविधियों की गंभीर प्रकृति और लोगों पर उनके गहरे प्रभाव को देखते हुए, इन्हें संधि के ड्राफ्ट आर्टिकल्स के समग्र दृष्टिकोण के अनुरूप देखा जाना चाहिए। मौजूदा कानूनी व्यवस्थाओं को बस नई संधि में शामिल कर लेने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने याद दिलाया कि देशों की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे अपने राष्ट्रीय कानूनों के तहत मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और बड़े पैमाने पर होने वाले अत्याचारों के लिए न्याय और जवाबदेही सुनिश्चित करें। संधि में इस सिद्धांत को और मजबूत किया जाना चाहिए कि लोगों को मानवता के खिलाफ अपराधों से बचाने की मुख्य जिम्मेदारी देशों की ही है। भारत ने इस बात पर भी बल दिया कि देशों की यह भी जिम्मेदारी है कि वे अपने नागरिकों द्वारा किए गए सबसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों और बड़े पैमाने पर अत्याचारों के लिए न्याय सुनिश्चित करें। न्याय के हितों, आरोपी के अधिकारों और पीड़ितों के हितों को ध्यान में रखते हुए देशों के पास अधिकार क्षेत्र (जूरिस्डिक्शन) की प्राथमिकता होनी चाहिए। मैथिली ने स्पष्ट कहा कि मानवता के खिलाफ अपराधों को रोकने और सजा देने के किसी भी उपाय में देशों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों में दखल न देने के सिद्धांत का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए। जनरल असेंबली ने 2004 में एक प्रस्ताव के जरिए 2028 में मानवता के खिलाफ अपराधों की रोकथाम और सजा पर सम्मेलन आयोजित करने का आह्वान किया था। इसके लिए दो तैयारी सम्मेलन होने हैं, जिनमें से पहला जनवरी में हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस सम्मेलन का लक्ष्य एक कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता अपनाना है,जो इन अपराधों की रोकथाम और सजा सुनिश्चित करे। भारत का यह बयान वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पीएम मोदी के मंत्री एल मुरुगन का इस्तीफा, मंत्रालय और राज्यसभा दोनों छोड़ी

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण तथा संसदीय मामलों के राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने मंत्री पद और राज्यसभा की सदस्यता दोनों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने ये इस्तीफे एक साथ दिए हैं। एल मुरुगन लंबे समय से केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के रूप में काम कर रहे थे। वे सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ-साथ संसदीय मामलों के मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। दोनों पदों से उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। साथ ही उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने यह फैसला 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के मकसद से लिया है। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए मुरुगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत माता और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि एक दिहाड़ी मजदूर के बेटे से लेकर केंद्रीय मंत्रिपरिषद में काम करने तक का सफर उनके लिए सबसे बड़ा सौभाग्य रहा। मुरुगन ने पोस्ट में साफ किया कि अब वे जमीनी स्तर पर वापस लौटना चाहते हैं। वे अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़े रहना चाहते हैं और तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा समय देना चाहते हैं। उन्होंने लिखा कि 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य में पार्टी का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है। बता दें कि एल मुरुगन पहली बार 2021 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2024 में उन्हें दूसरी बार राज्यसभा सदस्य चुना गया। उनके इस्तीफे के बाद राज्यसभा में तमिलनाडु से उनकी सीट खाली हो जाएगी। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि मुरुगन अब राज्य स्तर पर पार्टी के संगठन को मजबूत करने पर फोकस करेंगे।

आईआईआईटी रांची में छात्र की मौत के मामले का शिक्षा मंत्रालय ने लिया संज्ञान, अब तीन सदस्यों की कमेटी करेगी जांच

नई दिल्ली। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी , रांची के एक स्टूडेंट की मौत के मामले में शिक्षा मंत्रालय ने संज्ञान लिया है। छात्र की मौत के बाद से ही कैंपस में हो रहे प्रदर्शन से शिक्षा मंत्रालय की नींद खुली और फिर इस मामले में एक तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई जो यह जांच करेगी कि कहीं छात्र की मौत के पीछे संस्थान की प्रशासनिक स्तर पर कोई लापरवाही तो नहीं थी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, हालात और उससे जुड़े मामलों की डिटेल में जांच करने के लिए इस कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में डीयू की डायरेक्टर प्रोफेसर रजनी अब्बी को अध्यक्ष बनाया गया है जबकि इस कमेटी में एक सीनियर साइकेट्रिस्ट और शिक्षा मंत्रालय के एक सीनियर अधिकारी सदस्य के तौर पर शामिल हुए हैं। इस कमेटी को घटना के आस-पास के

हालात की जांच करने और गाइडलाइंस को लागू करने का आकलन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खासकर इस कमेटी की जिम्मेदारी होगी कि बेसिक सुविधाओं की उपलब्धता और कामकाज, इंस्टीट्यूशनल सपोर्ट सिस्टम, काउंसलिंग और मेंटरिंग व्यवस्था और स्टूडेंट शिकायत निवारण सिस्टम का रिव्यू किया जाए। यह कमेटी किसी भी सिस्टमिक कमी की पहचान करेगी और स्टूडेंट की भलाई को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने में मदद करने के लिए सही उपाय सुझाएगी। इसके अलावा यह कमेटी स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत करेगी और जरूरत के हिसाब से संबंधित रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंट्स की जांच करेगी। बता दें कि यह मामला आईआईआईटी, रांची के फर्स्ट-ईयर के एक स्टूडेंट से जुड़ा है जिसने कथित तौर पर कैंपस में आत्महत्या कर ली।

जानकारी के मुताबिक, बिहार के भागलपुर का रहने वाला आदित्य कुमार कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) का छात्र था। आदित्य ने बीते शनिवार को कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। कथित रूप से आदित्य कुमार पिछले दो दिन से मानसिक तनाव में था। शनिवार रात करीब 8:30 बजे उसका रूम पार्टनर सक्षम बगल के कमरे में था, तभी आदित्य ने अंदर से कमरा बंद कर तौलिए के सहारे फांसी लगा ली। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन इस बात की जांच करेगा कि क्या ऐसे कोई फैक्टर्स थे जिन पर ध्यान दिया जा सकता था, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद मिल सके।

श्रीवास्तव के मुताबिक, आदित्य कुमार ने इसी साल अगस्त में संस्थान में दाखिला लिया था और अभी मिड सेमेस्टर एग्जाम दे रहा था। घटना की जानकारी देते हुए डायरेक्टर ने कहा कि इंस्टीट्यूट को पिछली रात कैंपस में बिजली जाने की जानकारी मिली थी। उस दौरान, स्टूडेंट ने कथित तौर पर अपना कमरा अंदर से बंद कर लिया और फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। श्रीवास्तव ने कहा, इसके बाद उसके साथी स्टूडेंट्स ने दरवाजा तोड़ा और उसे बाहर निकाला।

महाप्रबंधक ने पाँच रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा पुरस्कार से किया सम्मानित

जबलपुर। रेल परिचालन में उच्च स्तरीय सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और संरक्षा के प्रति जागरूकता दिखाने वाले रेलकर्मियों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में सितम्बर 2026 माह के दौरान पश्चिम मध्य रेलवे में ड्यूटी के दौरान सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देकर संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले पाँच रेलकर्मियों को पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह द्वारा उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कारप्रदान कर सम्मानित किया गया। सितम्बर 2026 माह के पुरस्कृत कर्मचारियों में श्री शिवधारी सिंह/ गुड्स लोको पायलट/जबलपुर (जबलपुर मंडल), श्री कमलेन्द्र प्रताप सिंह/ पॉइंट्समैन/खुटहा (जबलपुर मंडल), श्री विकास दुबे/ट्रैकमैन/-II/बीना (भोपाल मण्डल), श्री अमर सिंह मीणा/वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर/गंगापुर सिटी जंक्शन(कोटा मण्डल), श्री रजनीश कुमार मीना/ स्टेशन अधीक्षक/छबड़ा गुगोर (कोटा मण्डल) शामिल हैं। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों में तैनात इन रेलकर्मियों ने विभिन्न रेल खंडों पर गश्त और ड्यूटी के दौरान रेललाइन पर मोटर-साईकिल, हॉट एक्सल, ब्रेक जाम एवं ब्रेकवान वैगन में हेवी लीकेज जैसी तकनीकी खामियों को समय रहते पहचान लिया। इनके द्वारा त्वरित गति से की गई सुरक्षात्मक कार्रवाइयों एवं आवश्यक संरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के कारण रेल परिचालन को सुरक्षित बनाए रखने में मदद मिली है। महाप्रबंधक श्री सिंह ने इन सभी पुरस्कृत कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा और उनके द्वारा प्रदर्शित की गई सजगता की प्रशंसा करते हुए कहा कि रेलवे में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ऐसे सजग एवं समर्पित कर्मचारी पूरे ज़ोन के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मनोज गुरुमुखी एवं उप मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अजय कुमार पाल सहित सेफ्टी विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। पश्चिम मध्य रेल सुरक्षित एवं विश्वसनीय रेल संचालन के लिए सदैव प्रतिबद्ध है और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को आगे भी प्रोत्साहित किया जाता रहेगा।

जनसम्पर्क विभाग पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

त्योहारों पर रेल यात्रियों को बड़ी राहत, उत्तर पश्चिम रेलवे ने की विशेष व्यवस्थाएं

38 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं के 824 फेरे, 48 जोड़ी रेलसेवाओं में 150 अतिरिक्त डिब्बों की सुविधा

आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं अतिरिक्त यात्रीभार को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। त्योहारों के दौरान यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो तथा अधिक से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचने के लिए रेल सुविधा मिल सके, इसके लिए स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन, पूर्व में संचालित स्पेशल रेलसेवाओं की अवधि में विस्तार तथा नियमित रेलसेवाओं में अतिरिक्त डिब्बे लगाये जा रहे है। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 13 जोड़ी नई स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है, जिनके कुल 264 फेरे होंगे। इन रेलसेवाओं के माध्यम से यात्रियों को विभिन्न प्रमुख शहरों एवं गंतव्यों के लिए अतिरिक्त यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही, पूर्व में संचालित 16 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं की संचालन अवधि बढ़ाई गई है, जिनके 406 फेरे संचालित होंगे। वहीं, 09 जोड़ी बाईपास स्पेशल रेलसेवाओं की अवधि में भी विस्तार किया गया है,

जिनके कुल 154 फेरे होंगे। इस प्रकार त्योहारों के दौरान कुल 38 जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं के 824 फेरे संचालित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 48 जोड़ी नियमित रेलसेवाओं में विभिन्न श्रेणियों के कुल 150 डिब्बों की अस्थायी बढ़ोतरी की जा रही है। इससे रेलसेवाओं में अतिरिक्त बर्थ एवं सीटें उपलब्ध होंगी और त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा त्योहारों के दौरान यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए रेल सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं। स्पेशल रेलसेवाओं के संचालन एवं अवधि विस्तार से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिलेंगे, वहीं नियमित रेलसेवाओं में अतिरिक्त डिब्बे लगाए जाने से अधिक यात्रियों को यात्रा का अवसर मिलेगा।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश, गुफा से मिले एके-47 और हैंड ग्रेनेड बरामद

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाकर्मियों ने एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पर्दाफाश किया है। मंगलवार को पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके में संदिग्ध आतंकी गतिविधियों की सूचना अधिकारियों को मिली थी, जिसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों को कोई आतंकी तो नहीं मिला, लेकिन एक गुफा से एक हथियार और हैंड ग्रेनेड बरामद हुए।

अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, गुफा से बरामद किए गए सामान में AK-47 राइफल, 30 राउंड गोलियां, छह ग्रेनेड, बैंडेज, बैटरी, टॉर्च और मेडिकल सामग्री शामिल है। इस दौरान कुछ खाने-पीने का सामान भी मिला है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस द्वारा सथराबाण के जंगलों में चलाए गए एक संयुक्त सर्च अभियान के दौरान ये हथियार बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि मौके से किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। अधिकारियों ने

बताया कि एक अन्य घटनाक्रम में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद उधमपुर और कठुआ जिलों में भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इन जिलों में ऊपरी इलाकों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। उन्होंने बताया कि उधमपुर के मजालता स्थित सोआन, खुबान, चोर व नागण तथा कठुआ जिले के सदरौता, भेड व बलोर के वन क्षेत्रों में सोमवार शाम से सेना और पुलिस का संयुक्त अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक संदिग्धों से आमना-सामना नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि एक अलग मामले में पुंछ के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में मंगलवार सुबह सेना के जवानों ने सीमा से सटी बाड़ के पास जंग लगी दो बारूदी सुरंगों का पता लगाया। उन्होंने बताया कि ये बारूदी सुरंगें ट्रैक निर्माण कार्य के दौरान दिखाई दी थीं, जिन्हें बाद में सेना के विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया गया। पिछले एक सप्ताह के दौरान सेना द्वारा इस क्षेत्र में 12 से अधिक बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन से पहले राष्ट्रीय राजधानी में लागू किए गए कड़े सुरक्षा उपायों पर टिप्पणी करते हुए जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि कश्मीर मॉडल को दिल्ली में लागू किया गया है।

भारतीय रेल ने सितंबर 2026 में माल ढुलाई में सितंबर 2025 की तुलना में 6.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

खाद्यान्न लोडिंग में 25 प्रतिशत, क्लिंकर में 20 प्रतिशत और घरेलू कंटेनर में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई

अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान संचयी माल ढुलाई पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.1 प्रतिशत बढ़ी है

गोरखपुर। भारतीय रेल ने सितंबर 2026 के दौरान माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि दर्ज की, जिसमें माल ढुलाई में वृद्धि और कई प्रमुख वस्तु श्रेणियों में भी वृद्धि शामिल है। इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों के दौरान भी माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई, जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में रेल परिवहन की निरंतर मांग को दर्शाती है। भारतीय रेल ने सितंबर 2026 में 135.35 मिलियन टन माल लोड किया, जबकि सितंबर 2025 में यह आंकड़ा 127.52 मिलियन टन था, जो पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 6.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इस माह के दौरान कई प्रमुख कमोडिटी सेगमेंट में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। खाद्यान्न की लोडिंग में 25 प्रतिशत, क्लिंकर में 20 प्रतिशत, घरेलू कंटेनर में 10 प्रतिशत, कोयले में 9 प्रतिशत, शेष अन्य वस्तुओं में 8.2 प्रतिशत, खनिज तेल में 6 प्रतिशत, तैयार इस्पात में 5.5 प्रतिशत और लौह अयस्क में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारतीय रेल ने सितंबर 2026 के दौरान बिजली संयंत्रों को घरेलू कोयले की आपूर्ति बढ़ा दी। प्रतिदिन आपूर्ति की जाने वाली कोयले की रैकों की औसत संख्या बढ़कर 443 रैक हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह 397 रैक प्रति दिन थी, जो 11.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। सितंबर 2026 के दौरान माल ढुलाई राजस्व सितंबर 2025 की तुलना में 1,266 करोड़ रुपये बढ़ गया, जो 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कुल मिलाकर, भारतीय रेल ने अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान 833.7 मिलियन टन माल लादा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उत्तर रेलवे ने ओएचई अपग्रेडेशन कार्यों के लिए संरक्षा और गुणवत्ता सुधार शिविरों का आयोजन किया

संरक्षा- हमारा ध्येय

निर्माणाधीन ढांचागत परियोजनाओं में निर्धारित मानकों के अनुपालन के साथ-साथ संरक्षा संस्कृति व गुणवत्ता सजगता को और बेहतर करने के लिए, उत्तर रेलवे ने 2× 25 केवी ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) अपग्रेडेशन कार्यों के संबंध में संरक्षा और गुणवत्ता पर संगोष्ठी-सह-संवाद सत्रों की एक व्यापक श्रृंखला का आयोजन किया। इन शिविरों का आयोजन अक्टूबर 2026 के दौरान चार प्रमुख स्थानों, दिनांक 01.10.2026 को जलंधर, दिनांक 05.10.2026 को अंबाला, दिनांक 09.10.2026 को मुरादाबाद, और दिनांक 12.10.2026 को लखनऊ पर सफलतापूर्वक किया गया । इस पहल में 550 प्रतिभागी शामिल हुए । इनमें 42 अधिकारी, 169 मंडलीय टीआरडी (TRD) कर्मचारी, 112 प्रोजेक्ट यूनिट के कर्मचारी (अंबाला और लखनऊ

विद्युतीकरण प्रोजेक्ट यूनिट से), और 227 ठेकेदार/एजेंसी के कर्मचारी शामिल थे। सत्रों के दौरान तकनीकी प्रस्तुतियाँ और इंटरैक्टिव चर्चाएँ आयोजित की गईं, जो 2×25 केवी अपग्रेडेशन कार्यों के सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित थीं कर्मचारी संरक्षा सामान्य संरक्षा सावधानियों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के उपयोग, सुरक्षित कार्य संस्कृति और जोखिमपूर्ण कार्यों से बचाव पर बल । रेलवे परिचालन और बुनियादी ढांचे की संरक्षा रेलवे ट्रैक के पास क्रेन, जेसीबी और excavators (उत्खनन यंत्रों) का सुरक्षित संचालन के साथ-साथ रेल परिचालन, ट्रैक, सिग्नलिंग और दूरसंचार (SxT) प्रणालियों तथा अन्य रेल परिसंपत्तियों की संरक्षा । निर्माण और संस्थापन में गुणवत्ता स्वीकृत ड्राइंग, तकनीकी विनिर्देशों और निर्धारित प्रक्रियाओं का सख्ती से अनुपालन करते हुए फाउंडेशन कास्टिंग, मास्ट इरेक्शन, एलाइनमेंट और ग्राउटिंग के दौरान संरक्षा और गुणवत्ता की जांच करना। ओएचई और पीएसआई कार्य मौजूदा रेल बुनियादी ढांचे और energized ओएचई के निकट फीडर वायर/एईसी इरेक्शन, बीईसी लेइंग और संबंधित कार्यों का सुरक्षित निष्पादन। आपातकालीन तैयारी प्रतिकूल मौसम के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, दुर्घटना रिपोर्टिंग और बचाव व्यवस्था। भूमिकाएं और जवाबदेही- सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने में रेल अधिकारियों, प्रोजेक्ट यूनिट के कर्मियों, पर्यवेक्षकों और ठेकेदार के कर्मचारियों की जिम्मेदारियों और जवाबदेही की स्पष्ट समझ। क्षेत्रीय अनुभवों से सीखना संभावित खतरों की पहचान करने और उनकी पुनरावृत्ति को रोकने के लिए संरक्षा घटनाओं व्यावहारिक चुनौतियों और पिछले अनुभवों को साझा करना। इस अभियान ने इस बात पर जोर दिया कि संरक्षा और गुणवत्ता प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी हैं । रेलवे अधिकारियों, प्रोजेक्ट यूनिटों और अनुबंधित एजेंसियों के बीच संवाद को बढ़ावा देकर, इन शिविरों ने काम शुरू होने से पहले सक्रिय रूप से खतरों की पहचान करने, जोखिम को कम करने, तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन करने और क्षेत्रीय घटनाओं से लगातार सीखने की प्रवृति को प्रोत्साहन दिया।

बिहार में बड़ा हादसा: नाव डूबने से दस लोगों की मौत, 20 युवक और बच्चे थे सवार; भोज खाने जा रहे थे सभी

वैशाली। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद में नाव डूबने से दस लोगों की मौत हो गई। नाव पर करीब 20 युवक और बच्चे सवार थे। सभी नाव से भोज खाने के लिए जा रहे थे, तभी हादसा हुआ। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद गांव में नाव डूबने से दस लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार को करीब 20 युवक और बच्चे एक ही नाव पर सवार होकर भोज खाने जा रहे थे। इसी दौरान बीच धारा में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही उस पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर राघोपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जिले के वरीय अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दस लोगों के शव पानी से बाहर निकाले जाने की जानकारी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है। मृतकों में अधिकांश युवक और बच्चे बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में मातम पसरा है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर दियारा क्षेत्र में नाव पलटने की दुर्भाग्यपूर्ण दुखद खबर प्राप्त हुई। डूबने वालों में से अधिकांश बच्चे। ईश्वर सबको सुरक्षित रखें। स्थानीय लोगों, प्रशासन और अधिकारियों से वार्ता कर राहत बचाव और उपचार कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

संपादकीय
(उमेश कुमार तिवारी)

इस 10 अक्तूबर का संदेश

नई दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में अक्तूबर के 10वें दिन अजीब सनसनी थी। कुल 245 रेलगाड़ियां निरस्त थीं। महानगर की जीवन-रेखा मेट्रो के 40 से अधिक स्टेशन बंद थे। नगरीय बस सेवा के मार्गों में तब्दीली थी। कई स्कूल ऑनलाइन कक्षाएं चला रहे थे, तो कुछ परीक्षाएं रद्द कर दी गई थीं। सड़कों पर अभूतपूर्व नाकाबंदी और सुरक्षा बलों की तैनाती थी। पुरानी शब्दावली में कहें, तो परिंदा तक पर नहीं मार सकता था। ऐसा हुआ भी। कॉकरोच जनता पार्टी के कॉकरोचों का जंतर मंतर तक पहुंचने का मनसूबा धरा रह गया। उनके कार्यकर्ता बड़ी संख्या में दिल्ली नहीं पहुंच सके। शीर्ष नेता अभिजीत दीपके सहित जो पहुंच गए, वह जहां-तहां हिरासत में ले लिए गए। सुरक्षा दस्तों ने दिन भर में सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिया। इससे कुपित सीजेपी ने प्रतिरोध जारी रखने की घोषणा की है। ऐसा लगता है, लंबे अंतराल के बाद देश में आंदोलन, आंदोलनकर्ता और आंदोलनजीवी लौट आए हैं। यहां कुछ यक्ष प्रश्न सिर उठाते हैं। क्या धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से परीक्षाओं की पवित्रता सदा-सर्वदा के लिए बहाल हो गई क्या ज्ञानेश कुमार के त्यागपत्र से सारी शिकायतें हमेशा के लिए दूर हो जाएंगी अगर ज्ञानेश पद त्याग देते हैं, तो क्या आंदोलनकारी यह वायदा करेंगे कि वे इसके बाद कोई आंदोलन नहीं करेंगे? कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन तो धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद ही खत्म हो गया था। अब वे मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ मैदान में हैं। क्या ये नौजवान कोई राजनीतिक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ना चाहते हैं? आखिर एक के बाद दूसरा मुद्दा उठा लेने का सबब क्या है? इन सवालों के जवाब के लिए मंगलवार की ओर लौटते हैं। उस दिन राहुल गांधी की अगुवाई में 'इंडिया' ब्लॉक के दो सौ से अधिक सांसद संसद के मकर द्वार से चुनाव आयोग की ओर कूच करते हैं। पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों ने उन्हें आकाशवाणी भवन के पास हिरासत में ले लिया, लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका की अगुवाई में प्रमुख कांग्रेसजन नौ घंटे तक वहीं जमे रहे। उनका कहना था कि वे और उनके सहयोगी चुनाव आयुक्तों से मिलने जा रहे हैं। उधर, चुनाव आयोग का कहना था कि उन्हें मुलाकात के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला। मामला लंबा खिंचता देख पुलिस ने शाम 8 बजे उन्हें उठाया और दूर ले जाकर छोड़ दिया। अगले दिन उन्हें और प्रियंका गांधी समेत अन्य कांग्रेस नेताओं को जंतर मंतर की ओर जाते वक्त हिरासत में लिया गया। गुरुवार को यह टोली राजघाट जा पहुंची और शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन। यह जानना रोचक होगा कि राष्ट्रपति से मुलाकात के ऐन बाद राहुल गांधी ने पत्रकारों को जो बताया, उसे राष्ट्रपति कार्यालय के 'सूत्रों' ने 90 मिनट से कम वक्त में ही नकार दिया। यह संयोग नहीं कि राहुल गांधी गुजरे चार महीनों में कई बार लोगों को चौंका चुके हैं। पहली बार वह प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के समक्ष जा बैठे थे और तब भी उन्हें जबरन हटाने के फोटो एवं वीडियो वायरल हुए थे। अगला नंबर संसद मार्ग थाने का था और इस बार उन्होंने नई दिल्ली की मुख्तलिफ जगहों को चुना। इनमें से कोई सत्ता और शक्ति का केंद्र है, तो कोई भीड़ का। राजनीति के लिए दोनों जरूरी हैं। 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद से वह लगातार इस आरोपित तोहमत को पोंछने की कोशिश कर रहे हैं कि वह सड़क पर संघर्ष का माद्दा नहीं रखते। समय ने उन्हें समझा दिया है कि जो दिखता है, वह बिकता है। सड़कों पर पुलिस बलों से जद्दोजहद के उनके वीडियो करोड़ों लोगों ने देखे हैं। आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में चुनाव होने हैं। अखिलेश यादव के साथ राहुल गांधी की सार्वजनिक जुगलबंदी को इस परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। हालांकि, उत्तर प्रदेश में पार्टी का खास वजूद नहीं है, जबकि मेघालय और गोवा में शिथिलता के कारण सरकार बनाने का मौका उसके हाथ से खिसकता चला गया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने न केवल सरकार की चाबी छीनी, बल्कि खुद को खासा स्थापित कर लिया। कांग्रेस इसीलिए अब और मौके गंवाने के मूड में नहीं है। पिछले 12 वर्षों में पार्टी ने यह समझ लिया है कि चाहे विरोध हो या सुधार, जन-कल्याण हो या जनमत संजोने की जुगत, मौका नहीं गंवाना चाहिए। कॉकरोच जनता पार्टी के जुलाई आंदोलन के दौरान इसीलिए राहुल गांधी प्रधानमंत्री आवास के सामने जा डटे थे, क्योंकि वह एक और शक्ति को पनपने का मौका नहीं देना चाहते। सीजेपी के 10 अक्तूबर के प्रस्तावित जमावड़े से पहले ही उन्होंने खुद को प्रतिरोध के मुख्य चेहरे के तौर पर स्थापित करने की पुनः पुरजोर कोशिश की है। आम आदमी पार्टी ने उस हाई वोल्टेज ड्रामे से दूरी बनाकर रखी। आने वाले दिनों में पंजाब में चुनाव के दौरान उसका सीधा संघर्ष कांग्रेस से होना है। उसके बाद गुजरात में भी उसकी चाहत विधानसभा चुनाव में मिले 12.92 प्रतिशत वोट को बढ़ाने की है। यही वजह है कि आप कांग्रेस का बगलगीर बनने से बच रही है। विडंबना देखिए, केजरीवाल यहां भी कांग्रेस की भूलों से ही सबक ले रहे हैं। कांग्रेस ने अतीत में वामपंथियों, समाजवादियों, लालू यादव या कभी मायावती से 'समान मूल्यों पर सहमति' के तहत जो समझौते वक्ती तौर पर किए थे, उन्होंने उसकी काल-जर्जरता को बढ़ा दिया। यहां इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों की मजबूरी पर भी गौर फरमा देखिए। वे अपने-अपने प्रदेशों में कांग्रेस को एक सीमा से अधिक बढ़ने नहीं देना चाहते, लेकिन अस्तित्व बचाने के लिए उन्हें 'ग्रैंड ओल्ड पार्टी' का साथ भी चाहिए। ममता बनर्जी इसका जीवंत उदाहरण हैं। उनके 20 लोकसभा और 4 राज्यसभा सदस्यों ने गैरों का दामन थाम लिया है। रह बचे जहां जाते हैं, उन्हें जलालत का सामना करना पड़ रहा है। उनकी पार्टी का नाम तक छिन चुका है।

जब जब देश के साथ खड़े होने की बात आती है, तब तब राहुल गांधी की राह अलग क्यों हो जाती है

स्टारलिंक की भारत में एंट्री का रास्ता साफ होता नहीं दिख रहा, तो एलन मस्क ने मुकेश अंबानी पर हमला करने का नया तरीका खोज लिया है। पहले अंबानी को भारत का 'असली बॉस' बताया और अब उन्हें 'प्राइम मिनिस्टर अंबानी' कहकर तंज कस दिया। लेकिन मस्क साहब, जरा ठहरिए! यह सिर्फ मुकेश अंबानी पर कटाक्ष नहीं है, बल्कि भारत के प्रधानमंत्री पद को भी एक कारोबारी विवाद में घसीटने की कोशिश है। प्रधानमंत्री का पद किसी उद्योगपति की जागीर नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था का प्रतीक है। ऐसे में अपनी कंपनी के हितों के लिए इस पद पर तंज कसना आखिर किस तरह की कारोबारी शालीनता है? सवाल यह भी है कि भारत में अपनी शर्तें मनवाने के लिए मस्क इतने उतावले क्यों हैं कि उन्हें अब देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था की गरिमा का भी ख्याल नहीं रहा हम आपको बता दें कि एलन मस्क का आरोप है कि मुकेश अंबानी का प्रभाव स्टारलिंक की भारत में एंट्री में बाधा बन रहा है। जबकि भारत सरकार का रुख स्पष्ट है कि स्टारलिंक, जियो सैटकॉम और वनवेब जैसी कंपनियों को सुरक्षा मंजूरी और स्पेक्ट्रम से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मस्क के भेदभाव के आरोपों को खारिज कर चुके हैं। ऐसे में सवाल यह है कि जब नियमों के तहत मंजूरी मिलनी है, तो मस्क बार-बार अंबानी को निशाना बनाकर आखिर साबित क्या करना चाहते हैं देखा जाये तो मस्क जिस स्टारलिंक को भारत में जल्द शुरू करने की मांग कर रहे हैं, वह कोई सामान्य इंटरनेट सेवा नहीं है। यह हजारों उपग्रहों के नेटवर्क के जरिए इंटरनेट उपलब्ध कराती है। दूरदराज के गांवों, सीमावर्ती इलाकों और आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए यह तकनीक उपयोगी हो सकती है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सुरक्षा संबंधी सवालों को नजरअंदाज कर दिया जाए। रूस और चीन समेत दुनिया के तमाम देशों ने स्टारलिंक को अनुमति नहीं दी है। वहीं भारत के लिए महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या विदेशी कंपनी के नियंत्रण वाले नेटवर्क पर निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम पैदा कर सकती है? भारत सरकार की चिंताओं में डेटा की सीमा पार आवाजाही, संचार पर नियंत्रण और सुरक्षा एजेंसियों की कानूनी निगरानी जैसे मुद्दे शामिल हैं। यह चिंता काल्पनिक भी नहीं है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मार्च 2025 में ही स्टारलिंक पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत पड़ने पर संचार बंद करने का अधिकार स्टारलिंक के पास होगा या उसके भारतीय साझेदारों के पास? उन्होंने यह भी पूछा था कि क्या इन समझौतों के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने की कोशिश थी? विडंबना देखिए कि जिस मुद्दे पर कांग्रेस पहले सुरक्षा संबंधी सवाल उठा रही थी, उसी मुद्दे पर आज राहुल गांधी मस्क के आरोपों को राजनीतिक समर्थन देते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही एलन मस्क ने रिलायंस पर भाजपा को चुनावी चंदा देने का आरोप लगाया है। लेकिन अगर चुनावी फंडिंग और कारोबारियों के राजनीतिक प्रभाव का प्रश्न उठाया जा रहा है, तो यही कसौटी मस्क पर भी लागू होनी चाहिए। अमेरिकी चुनाव आयोग में दाखिल दस्तावेजों से पता चला था कि मस्क ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले राजनीतिक समूहों को 25.9 करोड़ डॉलर से अधिक दिए थे। इसमें लगभग 23.9 करोड़ डॉलर अमेरिका पीएसी को दिए गए थे। इसलिए सवाल उठता है कि अगर किसी उद्योगपति की चुनावी फंडिंग राजनीतिक प्रभाव का प्रमाण मानी जा सकती है, तो ट्रंप की जीत के लिए करोड़ों डॉलर खर्च करने वाले मस्क से यह सवाल क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए? क्या अमेरिका में किसी पसंदीदा उम्मीदवार की मदद करना लोकतंत्र है, लेकिन भारत में किसी कंपनी की राजनीतिक फंडिंग अपने आप संदेह का विषय बन जाती है? वास्तविकता यह है कि कॉरपोरेट राजनीतिक चंदा अनेक लोकतंत्रों में चुनावी राजनीति का हिस्सा है। साथ ही भारत में इंटरनेट की कीमतों की तुलना भी इस बहस को एक नया आयाम देती है। रिलायंस जियो ने सस्ते मोबाइल डेटा के जरिए करोड़ों भारतीयों को इंटरनेट से जोड़ा है और यह कंपनी पूरी दुनिया में सबसे सस्ता डेटा देने के लिए जानी जाती है जबकि एलन मस्क की ब्रॉडबैंड सेवाएं और उनके उपकरण बेहद महंगे हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि स्टारलिंक बेकार है। दूरदराज के क्षेत्रों में उसकी उपयोगिता वास्तविक हो सकती है। लेकिन मस्क यदि भारतीयों के हितों की बात करते हैं, तो उन्हें यह भी बताना होगा कि उनकी सेवा कितने भारतीयों की पहुंच में होगी। प्रतिस्पर्धा का स्वागत होना चाहिए, मगर राष्ट्रीय सुरक्षा और आम उपभोक्ता की आर्थिक क्षमता की कीमत पर नहीं। इसके अलावा, राहुल गांधी ने मस्क के 'असली बॉस' वाले सवाल के जवाब में लिखा, 'वेलकम टू इंडिया, एलन। दूसरे शख्स से मिलोगे तो हैरान रह जाओगे।' यह टिप्पणी परोक्ष रूप से गौतम अडानी की ओर संकेत करती दिखाई दी। मस्क ने इसके जवाब में राहुल को धन्यवाद दिया। देखा जाये तो राहुल का उद्योगपतियों और सरकार के संबंधों पर सवाल उठाना गलत नहीं है। लेकिन क्या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर किसी विदेशी कारोबारी के साथ सोशल मीडिया पर राजनीतिक तंज कसना पर्याप्त है? विपक्ष का दायित्व सिर्फ सरकार पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि देश की रणनीतिक और डिजिटल सुरक्षा पर कोई समझौता न हो। साथ ही इस बात पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब जब राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आता है तब तब राहुल गांधी अलग राह क्यों पकड़ लेते हैं? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ट्वीट से नाराज हैं। पूर्व की सरकारों में लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री रहे कांग्रेस नेताओं का कहना है कि निवेश और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुडें मुद्दों पर राय सोशल मीडिया पर नहीं रखी जाती। उनका कहना है कि पार्टी स्तर पर देशहित में जो राय बनती है उसके आधार पर ही सबको बोलना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि जयराम रमेश इस मुद्दे पर पहले ही पार्टी का पक्ष रख चुके थे और स्टारलिंक के संभावित सुरक्षा जोखिमों पर गंभीर सवाल उठाए थे। कांग्रेस नेताओं ने पूछा है कि राहुल गांधी को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे जयराम रमेश की ओर से उठाये गये सवालों से सहमत हैं या मस्क के समर्थन में उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं? बहरहाल, एलन मस्क को प्रतिस्पर्धा करने का पूरा अधिकार है, लेकिन भारत को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए शर्तें तय करने और भारतीय जनता को पारदर्शी व्यवस्था की मांग करने का उतना ही अधिकार है। प्रधानमंत्री पद पर तंज कसकर मस्क अगर अपनी कंपनी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्हें यह भी समझना होगा कि भारत में कारोबार सिर्फ दबाव या सार्वजनिक बयानबाजी के दम पर नहीं, बल्कि नियमों के तहत होता है। उनकी इस टिप्पणी ने उलटे भारत में उनके रवैये पर सवाल खड़े कर दिए हैं और सोशल मीडिया पर कई भारतीयों ने नाराजगी जताई है। राहुल गांधी को भी यह समझना चाहिए कि सरकार का विरोध करना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और देश के हितों को किसी विदेशी कारोबारी और उसकी कंपनी के साथ चल रहे विवाद का हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए।

अराजकता, भय और भ्रम फैलाना ठीक नहीं

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर को रद्द करने की मांग ने देश की चुनावी व्यवस्था को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सड़कों पर हैं। सवाल पूछना उनका अधिकार है, लेकिन इस बहस की कसौटी यह होनी चाहिए कि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में रहे; अपात्र या दोहरी प्रविष्टियां हटें। केवल इस्तीफे की मांग से इन दोनों उद्देश्यों की पूर्ति नहीं होती। लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता का सीधा संबंध वोट की बराबरी से है। किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटाना उसके अधिकार पर चोट है। वहीं मृत व्यक्तियों के नाम और दोहरी प्रविष्टियां बनाए रखना भी चुनावी व्यवस्था को कमजोर करता है। लोक-प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धाराएं 17 और 18 एक व्यक्ति का नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में या एक ही क्षेत्र में बार-बार दर्ज करने की अनुमति नहीं देतीं। सूची की जांच इसी कानूनी जिम्मेदारी का हिस्सा है। एसआईआर की कानूनी बुनियाद स्पष्ट है। संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को मतदाता सूचियों की तैयारी और चुनावों का दायित्व देता है। 1950 के कानून की धारा 21(3) लिखित कारणों के आधार पर विशेष पुनरीक्षण की शक्ति देती है। सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई, 2026 को बिहार के एसआईआर की वैधता स्वीकार की, इसलिए इस प्रक्रिया को पूरी तरह गैरकानूनी बताने वाले तर्क को इस फैसले का उत्तर देना होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ आरोपों की जांच भी इसी स्पष्टता से होनी चाहिए। इस्तीफा मांगना और सांविधानिक पद से हटाना अलग बातें हैं। अनुच्छेद 324(5) के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जैसी प्रक्रिया और आधारों पर ही हटाया जा सकता है। यह चुनाव आयोग को राजनीतिक दबाव से स्वतंत्र रखने के लिए है। किसी भी राजनीतिक दल की असहमति से आयुक्त का कार्यकाल तय होने लगे, तो आयोग की स्वतंत्रता कैसे बचेगी? गंभीर आरोपों पर प्रमाण और विधि-सम्मत कार्रवाई जरूरी है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रारूप मतदाता सूचियों से करीब 13 करोड़ नाम बाहर होने की समाचार-रिपोर्टों को गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन प्रारूप सूची से बाहर होना और जांच व दावों के बाद अंतिम सूची से हटना एक ही स्थिति नहीं है। सही आकलन के लिए यह जानना होगा कि कितने नाम मृत्यु, दोहरे पंजीकरण या स्थायी स्थानांतरण के कारण हटे, कितने पात्र मतदाता गलत छूटे और कितनों के नाम बहाल हुए। केवल कुल संख्या से पक्षपात सिद्ध नहीं होता। बिहार के आधिकारिक आंकड़े इस अंतर को समझाते हैं। 24 जून, 2025 को सूची में 7.89 करोड़ मतदाता थे। 1 अगस्त की प्रारूप सूची में 7.24 करोड़ नाम रहे। दावों व आपत्तियों के चरण में 21.53 लाख पात्र मतदाता जोड़े गए और 3.66 लाख अपात्र नाम हटाए गए। 30 सितंबर की अंतिम सूची में करीब 7.42 करोड़ मतदाता थे। ये चुनाव आयोग के प्रकाशित आंकड़े हैं। इन आंकड़ों का अर्थ समझना जरूरी है। अंतिम सूची में प्रारूप से लगभग 18 लाख अधिक नाम थे, लेकिन जून की सूची से लगभग 47 लाख कम। इससे साफ है कि दावों और आपत्तियों का चरण परिणाम बदल सकता है। जोड़े गए सभी नामों को पहले गलत हटाए गए मतदाता मान लेना भी उचित नहीं होगा। हर मामले का रिकॉर्ड चाहिए। इसी तरह अंतिम संख्या मिल जाने से यह साबित नहीं होता कि कोई पात्र नागरिक नहीं छूटा। जांच की कसौटी व्यक्तिगत पात्रता है।

आयोग ने 26 सितंबर को कहा कि मूल एसआईआर आदेश और उसके कार्यक्रम सर्वसम्मति से मंजूर हुए थे। मूल आदेश की मंजूरी और उसे लागू करने के बाद के निर्णय अलग विषय हैं। दोनों के रिकॉर्ड की जांच जरूरी है। 2023 के कानून की धारा 18 के अनुसार, आयोग का काम यथासंभव सर्वसम्मति से और मतभेद होने पर बहुमत से होना चाहिए। 5 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट ने आयोग व केंद्र से जवाब मांगा और ज्ञानेश कुमार को तत्काल निलंबित करने से इनकार किया। सूची से नाम हटना नागरिकता समाप्त होने का फैसला नहीं है। इस अंतर को मिटाने से भ्रम और सामाजिक अविश्वास बढ़ता है। आयोग ने 26 सितंबर की बैठक में घर-घर जाकर दस्तावेज लेने, जरूरतमंदों के लिए सहायता शिविर लगाने और एसआईआर पूरा कर चुके 20 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में छूटे पात्र मतदाताओं को जोड़ने के विशेष अभियान की घोषणा की। इन कदमों का मूल्यांकन उनके परिणाम से होना चाहिए। कांग्रेस और दूसरे दलों को भी अपनी शिकायतें नाम, बूथ और दस्तावेज के साथ रखनी चाहिए। सामान्य नागरिक से जुड़ी शिकायतें सुलझाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को सहायता शिविरों में लगाना आंदोलन करने से बेहतर होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मामले में जवाबदेही तथ्यों और सांविधानिक प्रक्रिया से तय हो। एसआईआर का लक्ष्य सही सूची बनाना है। इसे लागू करते समय हर पात्र नागरिक के अधिकार की रक्षा करनी होगी। जिस मतदाता का नाम गलत छूटा है, उसके लिए सबसे ठोस न्याय समय पर सूची में वापसी है। राजनीतिक बहस की सफलता भी इसी परिणाम से आंकी जानी चाहिए, न की सड़कों पर राजनीतिक नौटंकी से।

किसी भी राजनीतिक दल को भारत के संविधान व लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए अराजकता, भ्रम या भय की स्थिति पैदा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कुछ लोग भारत के लोकतंत्र को कमजोर करके इसकी आर्थिक प्रगति को रोकना चाहते हैं। वे 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा नहीं होने देना चाहते। जाहिर है, कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक स्टंटबाजी और नौटंकी करके लोगों के बीच में भारत के लोकतंत्र को कमजोर दिखाने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र में प्रतिरोध का तो स्थान है, पर उसे कमजोर करने वाले समूहों, राजनीतिक दलों और व्यक्तियों का बिल्कुल नहीं।

शक्ति की आराधना मंत्रों से अधिक भावना का महत्व

भारतवर्ष पर्वों और उत्सवों की पावन भूमि है। यहाँ मनाए जाने वाले सभी त्योहारों का अपना एक विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन सभी पर्वों में शारदीय नवरात्र का स्थान अत्यंत विशिष्ट और पवित्र माना गया है। नव का अर्थ है 9 और रात्रि का अर्थ है रातों का समूह। यह 9 रातों और 10 दिनों का एक ऐसा पावन समय है जब संपूर्ण ब्रह्मांड में आदि शक्ति माँ भगवती की विशेष कृपा बरसती है। नवरात्र केवल एक साधारण व्रत या उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव मन और आत्मा की शुद्धि तथा दैवीय शक्ति के संचय का एक अत्यंत दुर्लभ अवसर है। यह समय हमें हमारी आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने और जीवन में व्याप्त अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है। शारदीय नवरात्र का आगमन वर्षा ऋतु के समापन और शीत ऋतु के आरंभ के समय होता है। प्रकृति भी इस समय एक नए रूप में सजती है और संपूर्ण वातावरण में एक नई ताजगी तथा पवित्रता का वास होता है। इन 9 रातों में माँ दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। प्रत्येक स्वरूप का अपना एक विशेष संदेश और महत्व है। माता के यह रूप हमें जीवन के विभिन्न चरणों और संघर्षों में साहस, धैर्य, करुणा और विजय की प्रेरणा देते हैं। शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए शक्ति का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना शक्ति के शांति और प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह शक्ति केवल शारीरिक नहीं है, बल्कि मानसिक और आत्मिक भी है। अखबार हिन्दी मिलाप में प्रकाशित आराम से नामक स्तंभ में दी गई पूजन विधि के अनुसार, नवरात्र की उपासना अत्यंत सरल, क्रमबद्ध और भावपूर्ण है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य का आरंभ सदैव विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजन से ही होता है। नवरात्र की उपासना में भी सबसे पहले भगवान गजानन का स्मरण और पूजन करना अनिवार्य माना गया है। साधक अपने हाथ में पवित्र जल, अक्षत अर्थात बिना टूटे हुए चावल, और पुष्प लेकर संकल्प करता है। संकल्प एक प्रकार की दृढ़ प्रतिज्ञा है। साधक माता से प्रार्थना करता है कि हे जगदम्बे, मैं इस पवित्र पूजन और व्रत के माध्यम से अपने संकल्प को पूर्ण करने के लिए आपका हृदय से आह्वान करता हूँ। संकल्प के पश्चात जल, अक्षत और कुमकुम से विधि विधान के साथ पूजन की शुरुआत होती है। पूजन के मुख्य क्रम में सबसे पहला चरण माता का आह्वान और ध्यान है। साधक अपनी आँखें बंद करके माँ भगवती के उस दिव्य और भव्य स्वरूप का ध्यान करता है, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में लीन थे और माता ने प्रकट होकर सृष्टि की रक्षा के लिए मधु और कैटभ नामक भयंकर राक्षसों का वध किया था। ध्यान का यह चरण मन को सांसारिक चिंताओं से मुक्त करके पूरी तरह से माता के चरणों में केंद्रित करने का एक माध्यम है। जब मन पूरी तरह से एकाग्र हो जाता है, तब माता की उपस्थिति का अनुभव हृदय में होने लगता है। ध्यान के उपरांत माता को स्नान कराने की प्रक्रिया होती है। सर्वप्रथम शुद्ध और पवित्र जल से माता की प्रतिमा या यंत्र को स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात पंचामृत से स्नान कराया जाता है। पंचामृत 5 अत्यंत पवित्र वस्तुओं का मिश्रण होता है जिसमें गाय का दूध, दही, घी, शहद और शर्करा मिलाई जाती है। स्नान कराते समय साधक यह भाव रखता है कि हे महादेवी, दूध, दही, घी, शहद और शर्करा के मिश्रण से तैयार यह उत्तम पंचामृत आपकी सेवा में प्रस्तुत है, कृपया इसे स्वीकार करें। पंचामृत स्नान के पश्चात एक बार फिर से शुद्ध जल से स्नान कराया जाता है ताकि माता का श्री विग्रह पूरी तरह से स्वच्छ हो जाए। स्नान के बाद माता के श्रृंगार का चरण आता है। माँ भगवती को अत्यंत सुंदर और पवित्र वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। मुख्य वस्त्र के साथ साथ उपवस्त्र भी चढ़ाया जाता है। इसके बाद मस्तक पर चंदन और सिंदूर का तिलक लगाया जाता है जो सौभाग्य और सुहाग का प्रतीक है। माता को ताजे और सुगंधित पुष्पों की माला पहनाई जाती है। वस्त्र अर्पित करते समय साधक कहता है कि हे देवी, नाना प्रकार के सुंदर बेल बूटों और जरी गोटों से सुसज्जित यह अत्यंत उत्तम और मनमोहक वस्त्र मैं आपको समर्पित कर रहा हूँ। श्रृंगार का यह भाव हमें यह सिखाता है कि हम अपने जीवन में भी सुंदरता, पवित्रता और सदगुणों को धारण करें। श्रृंगार के पश्चात माता को भोग अर्पित किया जाता है और दीप दर्शन कराया जाता है। माता के समक्ष अत्यंत श्रद्धा के साथ विविध प्रकार के उत्तम नैवेद्य, ऋतु फल, और स्वादिष्ट मिष्ठान्न रखे जाते हैं। इसके बाद सुगंधित धूप और दीप जलाकर माता को दिखाया जाता है। दीप का प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है और धूप की सुगंध हमारी प्रार्थनाओं की पवित्रता को दर्शाती है। यह प्रकाश अज्ञानता और बुराई के अंधकार को समाप्त करने का संदेश देता है। पूजन के अंतिम चरण में माता की आरती, प्रदक्षिणा और क्षमा प्रार्थना की जाती है। आरती के लिए विशेष रूप से कर्पूर का उपयोग किया जाता है। कर्पूर के साथ भीगे हुए ईंधन को जलाकर उसमें 1, 3, 5, 7 या इससे अधिक संख्या में बत्तियां बनाकर माता की मंगल आरती उतारी जाती है। कर्पूर जलकर पूरी तरह से समाप्त हो जाता है और कोई अवशेष नहीं छोड़ता, जो यह दर्शाता है कि हमारा अहंकार भी माता के समक्ष पूरी तरह से भस्म हो जाना चाहिए। आरती के बाद साधक अपने स्थान पर गोल घूमकर प्रदक्षिणा करता है। अंत में सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है क्षमा प्रार्थना। साधक हाथ जोड़कर कहता है कि हे माता, न तो मुझे आपकी भक्ति का कोई गहरा ज्ञान है और न ही मैं पूजा के कठिन मंत्रों को जानता हूँ। मैंने अपनी अल्प बुद्धि और क्षमता के अनुसार जो भी पूजन किया है, आप अपनी उदारता से उसे परिपूर्ण मानकर स्वीकार करें और मेरी सभी भूलों को क्षमा करें। नवरात्र पूजन का सबसे मूल और महत्वपूर्ण भाव यही है कि यदि पूजा के दौरान कोई मंत्र भूल भी जाए, या कोई सामग्री छूट भी जाए, तो साधक की भावना और श्रद्धा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। अज्ञानवश या अधिकता में किए गए पूजन से जगदम्बा सर्वकल्याणी महादेवी संतुष्ट ही होती हैं, क्योंकि वे केवल अपने भक्तों का सच्चा भाव देखती हैं। कर्मकांड से अधिक महत्व हृदय की पवित्रता का है। यह पावन पर्व हमें एक बहुत ही गहरा सामाजिक और आध्यात्मिक संदेश भी देता है। यह हमें सिखाता है कि संसार की हर एक स्त्री में देवी का ही वास है। स्त्री का सम्मान करना, उसकी गरिमा की रक्षा करना और उसे समाज में उचित स्थान देना ही देवी की सच्ची आराधना है। जब तक समाज में नारी का सम्मान नहीं होगा, तब तक कोई भी पूजा या व्रत सफल नहीं हो सकता। शक्ति की इस आराधना से ही हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में फैला हुआ अज्ञानता और बुराइयों का अंधकार दूर होता है। यही कारण है कि दीपावली के महापर्व से ठीक पहले आने वाली यह शारदीय नवरात्र, केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह दीपावली के प्रकाश पर्व की तैयारी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आरंभ है। नवरात्र में हम अपने भीतर शक्ति और पवित्रता का संचय करते हैं, ताकि दीपावली के दिन हम अपने अंतर्मन के दीयों को सत्य और ज्ञान के प्रकाश से पूरी तरह से प्रज्वलित कर सकें। यह संपूर्ण कालखंड हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और मृत्यु से अमरता की ओर ले जाने का एक दिव्य मार्ग प्रशस्त करता है। माता की यह आराधना हमारे जीवन को सुख, शांति, समृद्धि और अपार सफलता से भर दे, यही इस पर्व की सच्ची सार्थकता है।

दिल्ली में अवैध निर्माण परएमसीडी का बड़ा ऐक्शन; कई जगहों पर ध्वस्तीकरण, कुछ सील

नई दिल्ली। एमसीडी प्रशासन ने खतरनाक भवनों, अवैध निर्माण, दिल्ली मास्टर प्लान और भवन उपनियमों के उल्लंघन के खिलाफ सोमवार को कई जगहों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इसे लेकर एमसीडी प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दिल्ली में 24 स्थानों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान 5 संपत्तियों को सील किया और भवन निर्माण संबंधी नियमों के उल्लंघन पर 5 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए। एमसीडी ने अपने अधिकार क्षेत्र में नियमों के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी बनाए रखते हुए निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की। इस संबंध में दिल्ली नगर निगम यानी एमसीडी के अधिकारियों ने कहा कि निगम के सभी 12 क्षेत्रों में भवन निर्माण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और जन सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को प्रवर्तन अभियान के दौरान गणेश नगर–2 एक्सटेंशन, शकरपुर, पुरानी सीलमपुर, गांधी नगर, न्यू अशोक नगर और शकूरपुर जेजे कॉलोनी सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। एमसीडी ने दोहराया कि निगम के अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और भवन निर्माण संबंधी नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्रीय अधिकारियों को कड़ी निगरानी बनाए रखने तथा मास्टर प्लान दिल्ली (एमपीडी), भवन उपनियमों

और अन्य संबंधित नियमों के प्रावधानों के अनुसार उल्लंघन के मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अनधिकृत निर्माणों, खतरनाक भवनों और जन सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध निगम का प्रवर्तन अभियान सभी 12 जोन में लगातार जारी रहेगा। दक्षिणी दिल्ली के सत्य निकेतन में बीते महीने सितंबर की शुरुआत में पीजी इमारत गिरने के दौरान निगम प्रशासन के साथ डीडीए, जिला प्रशासन, दिल्ली पुलिस, दिल्ली अग्निशमन विभाग (डीएफएस) की प्रशासनिक व्यवस्था पर कई सवाल उठे थे। स्थानीय नागरिकों व छात्रों ने इन सभी सरकारी विभागों पर सवाल खड़े किए। इस संबंध में निगम प्रशासन ने कहा कि बीते एक महीने के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाली सैकड़ों संपत्तियों के खिलाफ ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई की गई। इसे लेकर निगम की प्रवर्तन टीमें लगातार निगम के सभी जोन में वार्ड स्तर पर निगरानी कर रही हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि निगम ने एक महीने के दौरान 1400 संपत्तियों पर नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की है। इसमें लगभग 1200 संपत्तियों पर ध्वस्तीकण की कार्रवाई की गई। इसके अलावा लगभग तीन सौ दुकानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है। इस संबंध में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कई ध्वस्तीकरण के आदेश भी जारी किए गए हैं। इसे लेकर निगम के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा लगातार अनधिकृत क्षेत्रों में अवैध तरीके से किए जा रहे निर्माण को लेकर भी निगरानी की जा रही है।

दिल्ली में पीजी और कोचिंग सेंटरों पर नियंत्रण के लिए लागू होगी नीति; आएंगे नियम

नई दिल्ली। दिल्ली में पीजी, छात्रावास, कोचिंग सेंटरों व पुस्तकालयों को विनियमित करने के लिए नियम लागू होंगे। इस संबंध में दिल?ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा नीति तैयार की जा रही है। इसमें कई नियम व नियमों की शर्तों को तैयार किया जा रहा है। जिससे दिल्ली में अवैध तरह से नियमों का अनुपालन न करने वाले पीजी, कोचिंग सेंटरों, छात्रावास व पुस्तकालयों को नियंत्रित किया जा सके और उन पर सख्त कार्रवाई कानूनी रूप से की जाए। बीते छह महीनों के दौरान राजधानी में कई इमारत गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसमें इस वर्ष मई के अंत में सैदुलाजाब में 5 मंजिला इमारत गिरने से कई छात्रों की मृत्यु हुई। इसके बाद बीते महीने सितंबर में सत्य निकेतन में एक पीजी की इमारत गिरी, जिससे छात्रों की मृत्यु हुई थी। इसे लेकर विभागों पर प्रशासनिक कामकाज पर कई सवाल खड़े हुए हैं। अब इन पीजी जैसी इमारतों को नियंत्रित करने के लिए नई नीति के तहत नियम लागू होंगे। इस संबंध में डीडीए के सूत्रों ने बताया कि इसके मद्देनजर डीडीए प्रशासन, दिल्ली सरकार के साथ मिलकर दिल्ली में छात्रावास, पीजी, पुस्तकालय व कोचिंग सेंटरों को रेगुलेट (विनियमित) करने को लेकर भी एक महीने में एक नीति लाएगा। जिसमें भवन मानदंडों, भवन सुरक्षा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित हो सकेगा। छात्रावास, पीजी में सीढ़ियों पर मीटर न लगा हो, संकरे कमरें व गलियां न हो। इन सब पर निगरानी होगी। डीडीए की तरफ से कुछ स्थानों पर जमीनी को भी चिन्हित कर छात्रावास का निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा। इस नीति को तैयार करने के लिए बैठकें लगातार हो रही हैं। इसे डीडीए की बोर्ड बैठक में प्रस्तुत कर लागू किया जाएगा। इन छह कॉलेजों के आवासीय क्षेत्र के उपयोग को डीडीए ने 10 फीसदी से 30 फीसदी तक किया, कई अन्य कॉलेजों में भी व्यवस्था लागू होगी – सेंट स्टीफंस कॉलेज – कॉलेज में 6 आवासीय ब्लॉक में 350 से 500 छात्रों के ठहरने की व्यवस्था है – श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स – कॉलेज छात्रावास के कुल रूम की संख्या 146 है – हंसराज कॉलेज – कॉलेज के छात्रावास में कुल रूम की संख्या 128 है – मिरांडा हाउस – कॉलेज के छात्रावास में कुल रूम की संख्या 179 है – हिंदू कॉलेज – कॉलेज के छात्रावास में कुल रूम की संख्या 119 है – किरोड़ीमल कॉलेज – कॉलेज के छात्रावास में कुल रूम की संख्या लगभग 90 है दिल्ली में छात्रावास की समस्या को हल करने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसे लेकर डीडीए प्रशासन दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में आवासीय क्षेत्रों का विस्तार कर रहा है। अब तक एक महीने की अवधि के दौरान छह कॉलेजों की छात्रावास के आवासीय क्षेत्र की क्षमता को दस फीसदी से 30 फीसदी तक बढ़ दिया है। इसके तहत डीयू के इन छह कॉलेजों में अतिरिक्त कमरों की सुविधा छात्रों के लिए विकसित की जा सकेगी। इससे इन छह कॉलेजों में अतिरिक्त लगभग 2 से 3 हजार कमरों का निर्माण हो सकेगा। इसके अलावा डीडीए और दिल्ली सरकार द्वारा फ्लोर एरिया रेशो (एफएआर) जैसे भवन निर्माण मानदंडों में सरल बनाते हुए छात्रावासों की क्षमता को बढ़ाने की प्रक्रिया पर भी काम किया जा रहा है।

सवाल पूछना मानहानि नहीं; कोर्ट ने क्यों खारिज कर दी सौरभ भारद्वाज के खिलाफ प्रवेश वर्मा की याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा की ओर से दायर आपराधिक मानहानि की शिकायत शनिवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल ने शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि भारद्वाज की जिन टिप्पणियों को लेकर शिकायत की गई है, वे सवालों के रूप में थीं और उन्हें मानहानिकारक नहीं माना जा सकता। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली की कोर्ट ने कहा कि अपराध का संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त आधार नहीं हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया कंगना रनौत की एआई डीपफेक हटाने के आदेश, क्या लगाया था आरोप

नई दिल्ली। हेमलता कौशिक, नई दिल्ली- दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य खूबियों के बिना इजाजत इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इसमें एआई से बने डीपफेक, छेड़छाड़ किए गए वीडियो, मनगढ़ंत भाषण और झूठे विज्ञापन शामिल हैं। विकास महाजन की पीठ ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए मेटा प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया कि वे रनौत द्वारा बताए गए उल्लंघनकारी कंटेंट को हटा दें। इसे हमेशा के लिए बंद कर दें। पीठ ने केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग को भी निर्देश दिया कि वे इंटरनेट और टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को जरूरी निर्देश जारी करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि तय समय के भीतर उन उल्लंघनकारी वेबसाइट्स तक पहुंच को ब्लॉक किया जा सके। पीठ ने कहा कि रनौत का कद उन्हें स्वाभाविक रूप से उनके व्यक्तित्व और उससे जुड़ी चीजों पर मालिकाना हक देता है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/सं. एवं दू.सं., उ. प. रे. जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा का ऑनलाईन ई–टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। **ई–टेण्डर नोटिस नं.एसएनटी–जेपी–28–2026–27 दिनांक– 08.10.2026 1.कार्य का नाम व लोकेशनः** जयपुर डिवीजन के रेवाड़ी–मदार सेक्शन में पैसेंजर रनिंग लूप लाइनों पर टी डब्ल्यू एस–290 सेट लगाने से सम्बन्धित सिगलिंग का कार्य। **2. अनुमानित लागत** : रू. 5,87,06,220.71/– **3 धरोहर राशि रूपये** : रू. 11,74,100/– **4 वेबसाईट पर टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय** : 02.11.2026 समय 15:00 बजे तक । **5 वेबसाईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन** : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड लोकेशन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पावर हाउस रोड़ जयपुर ।

1454-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक/सं. एवं दू.सं., उ. प. रे. जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा का ऑनलाईन ई–टेण्डर आमंत्रित किया जाता है। **ई–टेण्डर नोटिस नं.एसएनटी–जेपी–11R–2026–27 दिनांक– 08.10.2026 1.कार्य का नाम व लोकेशनः** जयपुर डिवीजन के रेवाड़ी–मदार सेक्शन में पैसेंजर रनिंग लूप लाइनों पर (एफ एस + टी डब्ल्यू एस + डब्ल्यू सी एम एस सी) 155 सेट लगाने से सम्बन्धित सिगलिंग का कार्य। **2. अनुमानित लागत** : रू. 3,44,84,694.76/– **3 धरोहर राशि रूपये** : रू. 6,89,700/– **4 वेबसाईट पर टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समय** : 30.10. 2026 समय 15:00 बजे तक । **5 वेबसाईट का विवरण और नोटिस बोर्ड की लोकेशन** : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है । नोटिस बोर्ड लोकेशन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पावर हाउस रोड़ जयपुर ।

1453-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक **28.10.2026** को 15.00 बजे तक खुली ई–निविदा आमंत्रित करते है :– **निविदा संख्या** : 163 **कार्य का नाम व स्थान** : सहायक मंडल इंजीनियर/सिरसा के नियंत्रण में मंडल इंजीनियर/पूर्व के अधिकार क्षेत्र वाले रेवाड़ी–बठिंडा, रोहतक–भिवानी और रेवाड़ी–सादुलपुर सेक्शनों में सीएमएस क्रॉसिंग, टंग रेल ओर कप वेल्ड की री–कंडीशनिंग । **अनुमानित लागत** : रू. 7304020.98 **धरोहर राशि** : रू. 146100.00 **निविदा संख्या** : 164 **कार्य का नाम व स्थान** : सहायक मंडल इंजीनियर/भिवानी के नियंत्रण में मंडल इंजीनियर/पूर्व के अधिकार क्षेत्र वाले रेवाड़ी–बठिंडा, रोहतक–भिवानी और रेवाड़ी–सादुलपुर सेक्शनों पर रोबोटिक वेल्डिंग मशीन का इस्तेमाल करके सीएमएस क्रॉसिंग की रीकंडीशनिंग । **अनुमानित लागत** : रू. 13453266.75 **धरोहर राशि** : रू. 269100.00 नोट :– अन्य शर्ते रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

1455-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	121-SRDEE-G-DLI-2026-27, नई दिल्ली के कर्नल सिंह स्टेडियम में बॉक्सिंग हॉल के लिए बिजली आपूर्ति प्रणाली को बेहतर बनाने और सेंट्रल एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाने का काम–शेष कार्य।
निविदा की अनुमानित लागत	रु. 8739077.00/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य, डीआरएम कार्यालय, दिल्ली मंडल, उत्तरी रेलवे, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
बयाना राशि	रु. 174800.00/-
निविदा निवेदन की दिनांक व समय	04.11.2026, 13.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	04.11.2026, 13.00 बजे
वेबसाइट व नोटिस बोर्ड	**www.ireps.gov.in** व वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी, नई दिल्ली

3565/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतू खुली निविदाये आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम व स्थान	भाग–**E: DLI** डिवीजन के **MASK/TSS** की बढ़ती लोड जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा OHE क्षमता को बढ़ाने हेतु फीडर वायर की व्यवस्था।	
अनुमानित लागत	**बयाना राशि**	**प्री–बिड कॉन्फ्रेंस की तारीख और समय**
Rs. 10,60,40,713.80/-	Rs. 21,20,800/-	21.10.2026 (11:00 बजे)
ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	23.10.2026 (00:00 बजे) से 06.11.2026 (15:00 बजे तक)	
ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	06.11.2026 (15:00 बजे)	
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in	

निविदा संख्याः 34–क. वि.–नई दिल्ली–2026–27 दिनांकः 12.10.2026 **3548/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा (ई-प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई–निविदा आमंत्रण।

1	**कार्य का नाम** : एडीईएन/करनाल के अंतर्गत DUK सेक्शन में विभिन्न यार्डों के सुधार का कार्य।
2	**कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** : रु. 1,55,51,653.62 (रुपये एक करोड़ पचपन लाख इक्यावन हज़ार छह सौ तिरपन और बासठ मात्र)
3	**बयाना राशि (रुपये)** : रु. 3,11,000.00/- (रुपये तीन लाख ग्यारह हज़ार मात्र)
4	**निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)** : रु. 0.00
5	**निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय** : 03.11.2026 को 15:00 तक।
6	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है** : निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	**आवंटन** : 29314103

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।

सं.: 128-W/280/ई-निविदा सूचना/48/2026-27/W-1 दिनांकः 12.10.2026 **3551/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
इ–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का नाम	एडीईएन/पानीपत के अंतर्गत यार्ड लूप लाइन के अपग्रेडेशन का काम।
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 75,17,844.59 (रुपये पचहत्तर लाख सत्रह हज़ार आठ सौ चवालीस रुपये और उनसठ पैसे मात्र।
3	बयाना राशि (रुपये)	Rs. 1,50,400.00/- (रूपये एक लाख पचास हज़ार चार सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	Rs. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	03.11.2026 को 15:00 बजे तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	आवंटन	04–211–32

• ठेकेदारों को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। **सं.: 128–W/280/इ–निविदा सूचना/50/2026–27/W-1**

दिनांक : 12.10.2026 **3550/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र–2

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण/कश्मीरी गेट, दिल्ली–110006, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई खरीद प्रणाली के माध्यम से ई निविदा आमंत्रित करते है।

पी एल कोड	फ़ील्ड का नाम	मौजूदा मूल्य	संशोधित मूल्य
479012234080	आइटम विवरण	(सप्लाई) – RDSO स्पेसिफिकेशन नंबर RDSO/2013/EM/SPEC/0016 (Rev-2)- 2025 या लेटेस्ट के अनुसार, 15 यात्रियों (1020 kg) की क्षमता वाली, 1.0 m/s की स्पीड, सेंटर ओपनिंग स्लाइडिंग डबल डोर टाइप, 7 स्टॉप और 7 ओपनिंग वाली हैवी– ड्यूटी लिफ्ट का डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग।	(सप्लाई) – 15 यात्रियों (1020 किलोग्राम क्षमता) के लिए हेवी–ड्यूटी लिफ्ट की डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। इसकी स्पीड 1.5 मीटर/सेकंड होगी, इसमें सेंटर–ओपनिंग स्लाइडिंग डबल डोर होंगे, और यह 7 स्टॉप और 7 ओपनिंग वाली होगी। यह सब RDSO स्पेसिफिकेशन नंबर RDSO/2013/EM/SPEC/0016 (Rev-2)-2025 या लेटेस्ट वर्शन के अनुसार होगा।
47901AMC	आइटम विवरण	2 साल की वारंटी अवधि के बाद 10 साल के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध, जिसमें 15 यात्री लिफ्ट (1020 किलोग्राम) की क्षमता के लिए 1.0 मीटर/सेकंड सेंटर ओपनिंग स्लाइडिंग दरवाजा, डबल डोर प्रकार, 7 स्टॉप और 7 ओपनिंग के लिए भारी शुल्क लिफ्ट के स्पेयर और सामग्री शामिल हैं, आरडीएसओ विनिर्देश संख्या के अनुसार। आरडीएसओ/2013/ईएम/स्पेक/0016 (रेव–2)–2025 या नवीनतम।	2 साल की वारंटी अवधि के बाद 10 साल के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध, जिसमें 15 यात्री लिफ्ट (1020 किलोग्राम) की क्षमता के लिए 1.5 मीटर/सेकंड सेंटर ओपनिंग स्लाइडिंग डोर डबल डोर टाइप, 7 स्टॉप और 7 ओपनिंग के लिए भारी शुल्क लिफ्ट के स्पेयर और सामग्री शामिल है, आरडीएसओ स्पेक नंबर के अनुसार आरडीएसओ/2013/ईएम/स्पेक/0016 (रेव–2) –2025 या नवीनतम।

हटाए

1	लिफ्ट G+4 के लिए अनुलग्नक–I	5927340.pdf

नोटः– 1. विस्तृत जानकारी IREPS की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।

सं.: डिप्टी.सी.एम.एम./सी./एन.आर/40265458 दिनांकः 13.10.26 **3568/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!
महत्वपूर्ण जानकारी

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2026 में वृद्धि

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु पूर्व घोषित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों के साथ–साथ रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ भी नीचे दी गई समय–सारणी के अनुसार संचालित की जायेंगीः–

02252/02251 नई दिल्ली–पटना जं.–नई दिल्ली आरक्षित वंदे भारत त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 36 फेरे

रेलगाड़ी सं. 02252 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 02251 आगमन	प्रस्थान
----	08:35	नई दिल्ली	23:30	----
21:30	---	पटना जं.	----	10:00

चलने के दिन : **02252 नई दिल्ली** से दिनांक 16.10.26, 18.10.26 को एवं 21.10.26 से 25.11.26 तक (सोम, बुध, शनि) **एवं 02251 पटना जं.** से दिनांक 17.10.26, 19.10.26 को एवं 22.10.26 से 26.11.26 तक (मंगल, गुरु, रवि) को।
ठहराव : अलीगढ़ जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं० दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशन।
स्थान : एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान एवं वाता. कुर्सीयान।

04652/04651 अमृतसर–जयनगर–अमृतसर आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 40 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04652 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04651 आगमन	प्रस्थान
----	10:55	अमृतसर	15:00	----
02:30	02:40	लखनऊ जं.	22:30	22:40
20:00	---	जयनगर	----	04:15

चलने के दिन : **04652 अमृतसर** से दिनांक 16.10.26 से 29.11.26 तक (प्रत्येक बुध, शुक्र, रवि) **एवं 04651 जयनगर** से दिनांक 18.10.26 से 01.12.26 तक (प्रत्येक शुक्र, रवि, मंगल) को।
ठहराव : जलंधर कैंट, लुधियाना जंक्शन, अंबाला कैंट, पानीपत जंक्शन, दिल्ली जंक्शन, मुरादाबाद, लखनऊ जंक्शन, शाहगंज जंक्शन, फेफना जंक्शन, बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा, मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन, समस्तीपुर जंक्शन, दरभंगा जंक्शन एवं मधुबनी स्टेशन
स्थान : शयनयान एवं सामान्य।

04094/04093 दिल्ली जं.–संतरागाछी जं.–दिल्ली जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 02 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04094 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04093 आगमन	प्रस्थान
----	00:30	दिल्ली जं.	00:25	----
07:40	---	संतरागाछी जं.	----	18:10

चलने के दिन : **04094 दिल्ली जं.** से दिनांक 14.10.26 (बुधवार) **एवं 04093 संतरागाछी जं.** से दिनांक 15.10.26 (गुरुवार) को।
ठहराव : टूंडला जंक्शन, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं० दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गुरारू, गया जंक्शन, कोडरमा, हज़ारीबाग रोड, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जंक्शन गोमाह, भोजूडीह जंक्शन, आद्रा, बांकुरा, बिष्णुपुर, मिदनापुर एवं खड़गपुर स्टेशन
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

04406/04405 शकूर बस्ती–मानसी जं.–शकूर बस्ती अनारक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 16 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04406 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04405 आगमन	प्रस्थान
----	19:10	शकूर बस्ती	11:30	----
02:30	---	मानसी जं.	----	04:30

चलने के दिन : **04406 शकूर बस्ती** से दिनांक 05.11.26, 06.11.26, 07.11.26, 10.11.26, 11.11.26, 12.11.26, 13.11.26 एवं 14.11.26 को **एवं 04405 मानसी जं.** से दिनांक 07.11.26, 08.11.26, 09.11.26, 12.11.26, 13.11.26, 14.11.26, 15.11.26 एवं 16.11.26 को।
ठहराव : नई दिल्ली, गाज़ियाबाद, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जंक्शन, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जंक्शन, देवरिया सदर, सीवान जंक्शन, छपरा, सोनपुर, हाज़ीपुर जंक्शन, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, बेगूसराय एवं खगड़िया जंक्शन स्टेशन।
स्थान : शयनयान एवं सामान्य।

04129/04130 मिर्ज़ापुर–उत्तरेटिया–मिर्ज़ापुर अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ी — 27 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04129 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04130 आगमन	प्रस्थान
----	16:05	मिर्ज़ापुर	08:30	----
21:03	21:05	रायबरेली जं.	02:03	02:05
23:10	---	उत्तरेटिया	----	01:00

चलने के दिन : **04129 मिर्ज़ापुर** से दिनांक 26.10.26 तक **एवं 04130 उत्तरेटिया** से दिनांक 27.10.26 तक
ठहराव : विंध्याचल, मेजा रोड, नैनी जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, कुंडा हरनामगंज, ऊंचाहार जंक्शन, रायबरेली जंक्शन एवं बछरावां स्टेशन।
स्थान : सामान्य।

04485/04486 नई दिल्ली –श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04485 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04486 आगमन	प्रस्थान
----	14:00	नई दिल्ली	23:30	----
20:30	20:35	जलंधर कैंट	16:15	16:17
03:00	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	10:00

चलने के दिन : **04485 नई दिल्ली** से दिनांक 14.10.26, 18.10.26 एवं 20.10.26 को **एवं 04486 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 15.10.26, 19.10.26 एवं 21.10.26 को।
ठहराव : सोनीपत, पानीपत जंक्शन, कुरुक्षेत्र जंक्शन, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, जम्मू तवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन
स्थान : प्रथम वाता., प्रथम वाता सह 2 टियर वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

उपरोक्त रेलगाड़ी के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

04638/04637 अमृतसर जं.–छपरा–अमृतसर जं. आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04638 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04637 आगमन	प्रस्थान
----	19:40	अमृतसर जं.	00:20	----
20:45	---	छपरा	----	22:15

चलने के दिन : **04638 अमृतसर जं.** से दिनांक 19.10.26 से 30.11.26 (प्रत्येक सोमवार) **एवं 04637 छपरा** से दिनांक 20.10.26 से 01.12.26 (प्रत्येक मंगलवार) को।
ठहराव : ब्यास जंक्शन, जलंधर सिटी जंक्शन, फगवाड़ा जंक्शन, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, सीवान जंक्शन एवं एकमा स्टेशन।
स्थान : शयनयान।

04640/04639 छेहरटा–मुज़फ़्फ़रपुर जं.–छेहरटा आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04640 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04639 आगमन	प्रस्थान
----	08:35	छेहरटा	21:30	----
18:05	18:13	मुरादाबाद	11:00	11:10
13:10	---	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	----	16:00

चलने के दिन : **04640 छेहरटा** से दिनांक 19.10.26 से 30.11.26 तक (प्रत्येक सोमवार) **एवं 04639 मुज़फ़्फ़रपुर जं.** से दिनांक 20.10.26 से 01.12.26 तक (प्रत्येक मंगलवार) को।
ठहराव : अमृतसर जंक्शन, ब्यास जंक्शन, जलंधर सिटी जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर जंक्शन, सीतापुर जंक्शन, गोंडा जंक्शन, गोरखपुर जंक्शन, कप्तानगंज जंक्शन, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया एवं सगौली जंक्शन स्टेशन।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

09083/09084 बान्द्रा टर्मिनस–गोरखपुर जं.–बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (विशेष किराये पर) — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09083 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09084 आगमन	प्रस्थान
----	04:30	बान्द्रा टर्मिनस	11:15	----
14:50	14:52	बाराबंकी जं.	03:00	03:02
19:30	----	गोरखपुर जं.	----	22:45

चलने के दिन : **09083 बान्द्रा टर्मिनस** से दिनांक 18.10.26 एवं 25.10.26 को एवं **09084 गोरखपुर जं.** से दिनांक 20.10.26 एवं 27.10.26 को।
ठहराव : बोरीवली, पालघर, वापी, सूरत, वडोदरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, ईदगाह आगरा जंक्शन, टूंडला जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन एवं बस्ती स्टेशन
स्थान : सामान्य।

04085/04086 नई दिल्ली–श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष रेलगाड़ी — 04 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04085 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04086 आगमन	प्रस्थान
----	14:00	नई दिल्ली	23:30	----
20:30	20:35	जलंधर कैंट	16:15	16:17
03:00	---	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	----	10:00

चलने के दिन : **04085 नई दिल्ली** से दिनांक 15.10.26 एवं 17.10.26 को **एवं 04086 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा** से दिनांक 16.10.26, एवं 18.10.26 को।
ठहराव : सोनीपत, पानीपत जंक्शन, कुरुक्षेत्र जंक्शन, अंबाला कैंट, ढंडारी कलां, जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ, जम्मू तवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान।

03437/03438 मालदा टाउन–हरिद्वार–मालदा टाउन विशेष रेलगाड़ी — 14 फेरे

रेलगाड़ी सं. 03437 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 03438 आगमन	प्रस्थान
----	10:00	मालदा टाउन	23:55	----
01:00	01:10	वाराणसी	09:05	09:10
17:00	---	हरिद्वार	----	18:35

चलने के दिन : **03437 मालदा टाउन** से दिनांक 17.10.26 से 28.11.26 तक (प्रत्येक शनिवार) **एवं 03438 हरिद्वार** से दिनांक 18.10.26 से 29.11.26 तक (प्रत्येक रविवार) को।
ठहराव : न्यू फरक्का, बरहरवा जंक्शन, साहिबगंज जंक्शन, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जंक्शन, अभयपुर, किउल जंक्शन, मोकामा, बख्तियारपुर जंक्शन, राजेंद्र नगर टर्मिनल, पटना जंक्शन, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, वाराणसी, सुलतानपुर, उत्तरेटिया, आलम नगर, बरेली, मुरादाबाद और लक्सर स्टेशन
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

01207/01208 नागपुर जं.–समस्तीपुर जं.–नागपुर जं. साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 01207 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 01208 आगमन	प्रस्थान
----	10:40	नागपुर जं.	11:30	----
08:13	08:15	बाराबंकी जं.	15:08	15:10
23:45	----	समस्तीपुर जं.	----	03:00

चलने के दिन : **01207 नागपुर जं.** से दिनांक 21.10.26 से 11.11.26 तक (प्रत्येक बुधवार) **एवं 01208 समस्तीपुर जं.** से दिनांक 23.10.26 से 13.11.26 तक (प्रत्येक शुक्रवार) को।
ठहराव : बैतूल, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग जंक्शन, बाराबंकी जंक्शन, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर जंक्शन, छपरा जंक्शन, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन और मुज़फ़्फ़रपुर जंक्शन स्टेशन।
स्थान : 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे — सदैव आपकी सेवा में — हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बीजेपी महिला, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के भी जिलाध्यक्ष घोषित, किस जिले में किसे मिली कमान

लखनऊ। भाजपा ने मंगलवार को किसान मोर्चा के साथ ही महिला मोर्चा और अनूसूचित जनजाति मोर्चा के भी जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा कर दी है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने की। जबकि एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विद्या भूषण गोंड ने एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किए। उत्तर प्रदेश में जनजातियां सीमित जिलों में ही हैं। ऐसे में केवल काशी, गोरखपुर और कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र में आने वाले जिलों में ही एसटी मोर्चा के अध्यक्ष घोषित किए गए हैं। इसमें सर्वाधिक भागीदारी गोंड जाति को दी गई है। इसके अलावा नट, कोल, गिहार, खरवार, सहारिया आदि जातियों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। वहीं किसान मोर्चा में ब्राह्मण, क्षत्रियों के अलावा जाट, गुर्जर, यादव, त्यागी, लोध, पाल सहित अन्य जातियों को प्रतिनिधित्व देकर क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास किया गया है। वहीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अनुमति से जिलाध्यक्षों के नाम तय किए गए हैं। पश्चिम क्षेत्र के रामपुर जिले की अध्यक्ष शकुंतला लोधी बनाई गई हैं। इसी तरह सुनीता सैनी को मुरादाबाद महानगर, सिम्पल चौहान को मुरादाबाद जिला, पूनम राणा को शामली, कमलेश सैनी को अमरोहा, गार्गी अग्रवाल को बिजनौर, उषा उपाध्याय को सहारनपुर जिला, विमल चौहान को मुजफ्फरनगर, आरती मिश्रा को गाजियाबाद जिला, संगीता तिवारी को गौतमबुद्धनगर और मीनाक्षी सिसोदिया को बागपत की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं ब्रज क्षेत्र की अपूर्वा जादोन को आगरा महानगर, मनीषा सिंह को आगरा जिला, प्रतिमा सिंह को मथुरा जिला, डॉ.अनुपम शर्मा को फिरोजाबाद महानगर, आशा सिंह को फिरोजाबाद जिला, सरिता महेश्वरी को अलीगढ़ जिला, शामली पाठक को हाथरस, प्रज्ञा सेंगर को मैनपुरी, डॉ.अनिता उपाध्याय को कासगंज, गरिमा अग्रवाल को बरेली महानगर, मीना मौर्य को आंवला, बबली सिंह को शाहजहांपुर जिला, रूचि गुप्ता को शाहजहांपुर महानगर और सविता शर्मा को बदायूं का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, कानपुर क्षेत्र में श्वेता सिंह को कानपुर ग्रामीण, डॉ.दीपिका सिंह सेंगर को कानपुर देहात, नीतू नारायण मिश्रा को इटावा, डॉ.प्राची गुप्ता को कन्नौज, प्रतिमा अवस्थी को औरैया, संध्या तिवारी को महोबा, अर्चना सिंह को चित्रकूट और रुचिका बुन्देला को ललितपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अवध क्षेत्र में अर्चना साहू को लखनऊ महानगर, सुनीता पांडेय को लखनऊ जिला, प्रतिमा सिंह भदौरिया को लखीमपुर, अनुराधा मिश्रा को हरदोई, रामेश्वरी मिश्रा को बाराबंकी, बीना राय राजभर को गोंडा, अंजू पांडेय को अयोध्या जिला और निम्मी अरोड़ा को उन्नाव का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। काशी क्षेत्र में प्रज्ञा पांडेय को वाराणसी महानगर, किरण मिश्रा को वाराणसी जिला, माया सिंह को गाजीपुर, कुसुम गुप्ता को प्रतापगढ़, प्रीति गुप्ता को जौनपुर, अनुपमा राय को मछलीशहर, रीता सिंह को प्रयागराज महानगर, आरती सिंह को प्रयागराज यमुनापार, रूपम त्रिपाठी को प्रयागराज गंगापार, प्रियंका तिवारी को चंदौली, नीतू कनौजिया को कौशांबी, आशा विश्वकर्मा को सोनभद्र का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

एक नज़र

योगी सरकार ने ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाया, अब हर महीने मिलेंगे इतने रुपए

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानून-व्यवस्था संभालने में पुलिस के मददगार ग्राम प्रहरियों के मानदेय में प्रतिमाह एक हजार रुपये की बढ़ोतरी की है। अब उन्हें प्रतिमाह 3500 रुपये मानदेय दिया जाएगा। निर्णय से लगभग 70 हजार ग्राम प्रहरी लाभान्वित होंगे। अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग संजय प्रसाद ने मानदेय बढ़ाए जाने का आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम प्रहरियों को सम्मानित भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाए जाने का निर्देश दिया था। प्रदेश के लगभग 70 हजार ग्राम प्रहरियों को अब तक प्रतिमाह 2500 रुपये मानदेय प्रदान किया जा रहा था, जिसमें करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी से सरकार पर प्रतिवर्ष लगभग 84 करोड़ रुपये वित्तीय भार पड़ेगा। सरकार ने प्रांतीय रक्षा दल (पीआरडी) जवानों के दैनिक भत्ते में बढ़ोतरी के बाद ग्राम प्रहरियों का मानदेय भी बढ़ाया है। इससे पहले सरकार ने होमगार्ड स्वयंसेवकों के मानदेय में भी बढ़ोतरी की थी। ग्रामीण क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और पुलिस के सूचनातंत्र को मजबूत करने में ग्राम प्रहरियों की अहम भूमिका होती है। स्थानीय थाने से जुड़कर ग्राम प्रहरी शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के सहयोगी के रूप में काम करते हैं। लंबे समय से उनका मानदेय बढ़ाए जाने की मांग की जा रही थी। वहीं, उत्तर प्रदेश के गांवों में लोगों कब आमदनी का एक नया विकल्प मिल गया है। इसके साथ ही प्रदेश में पर्यटन अब अयोध्या-काशी, मथुरा की धार्मिक आस्था से आगे गांवों की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश के गांव पर्यटन के नए ठिकाने बन रहे हैं। गांवों में पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, खानपान और ग्रामीण जीवन से रूबरू कराने की तैयारी है। इन अनुभवों को पर्यटन से जोड़ने के साथ ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं। एग्री रूरल एंड गंगे ग्राम रूरल टूरिज्म परियोजना के तहत प्रदेश के 234 गांव ग्रामीण पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। परियोजना के तहत अब तक 52 ग्रामीण पर्यटन गांवों का विकास पूरा हो चुका है। पर्यटकों को स्थलों की जानकारी और आवागमन में सुविधा के लिए चयनित गांवों में 1060 साइनेज बोर्ड लगाए गए हैं और 1920 होम स्टे चिह्नित किए गए हैं। एनआईडीएचआई पोर्टल पर 970 होम स्टे पंजीकृत हैं और 920 संचालित हो रहे हैं। करीब 1,000 होम स्टे अभी विकास के चरण में हैं। पर्यटन विभाग के नए पोर्टल पर भी 195 होम स्टे पंजीकृत किए गए हैं। जल्द ही यूपी में ग्रामीण पर्यटन देश में अग्रणी बनेगा।

यूपी कांग्रेस ऑफिस में हंगामा और जूता चलने की घटना की जांच होगी, बनी 5 सदस्यीय समिति

लखनऊ। लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी कांग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा के औपचारिक पदभार ग्रहण समारोह के पहले रविवार को हंगामा, धक्का-मुक्की और जूता चलने की घटना की जांच की जाएगी। यूपी कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने इस मामले में जांच के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बना दी है। जानकारी के मुताबिक बृजलाल खाबरी के अलावा राष्ट्रीय सचिव और यूपी कांग्रेस के सह प्रभारी अब्दुल हन्नान, अभिषेक दत्त, पूर्व सांसद रवि वर्मा और शमीना शफीक को समिति में शामिल किया गया है। रविवार को यूपी कांग्रेस कार्यालय में जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय औपचारिक रूप से पदभार हस्तांतरित करने पहुंचे थे तो वहां उपस्थित यूपी कांग्रेस की महिला इकाई की निवर्तमान अध्यक्ष ममता चौधरी व अन्य कार्यकर्ताओं ने अजय राय पर कुछ टिप्पणी की थी, जिसके बाद विवाद हो गया था। समर्थकों में धक्का-मुक्की, गाली-गलौज के बाद जूता-चप्पल उतारकर मारने तक की घटना हुई थी। बाद में राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और सहारनपुर से सांसद व यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने मान-मनौव्वल करके किसी तरह स्थिति को संभाला था।अब इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। बृजलाल खाबरी ने बताया कि अभी समिति बनी है। जांच में कुछ वक्त लगेगा। अभी तो समिति में शामिल हम सभी लोग दिल्ली में आंदोलन की वजह से ही आपस में बात नहीं कर सके हैं। समिति मंगलवार को बातचीत के बाद आगे बढ़ेगी। अनुशासन समिति के बजाय मामले की जांच के लिए एक अलग समिति बनाए जाने पर पार्टी के भीतर ही कई सवाल उठ रहे हैं। समिति राजेंद्र पाल गौतम ने बनाई है और राजेंद्र पाल गौतम व अजय राय के संबंध ठीक नहीं बताए जाते हैं। इसके अलावा समिति में दो सह प्रभारी हैं।

2 लाख के सालाना किराए पर 1000 रुपए स्टांप शुल्क, यूपी में पट्टा रजिस्ट्री पर नई दरें तय

लखनऊ। लखनऊ, विशेष संवाददाता। योगी सरकार ने किरायेदारी से जुड़े पट्टा रजिस्ट्री पर लगने वाले स्टांप शुल्क में कमी कर दी है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की। इसके मुताबिक दो लाख रुपये तक औसत वार्षिक किराये वाले पट्टा विलेख पर एक वर्ष तक के लिए अधिकतम 1,000 रुपये स्टांप शुल्क लगेगा। एक वर्ष से अधिक और पांच वर्ष तक के पट्टे पर अधिकतम 2,000 रुपये और 5 वर्ष से अधिक और 10 वर्ष तक के पट्टे पर 4,000 रुपये शुल्क लगेगा। दूसरी ओर 2 लाख रुपये से अधिक और 6 लाख रुपये तक वार्षिक किराये वाले पट्टों के लिए अधिकतम सीमा क्रमशः 3,000, 6,000 और 8,000 रुपये होगी। छह लाख रुपये से अधिक और 10 लाख रुपये तक सालाना किराये वाले पट्टों पर अवधि के अनुसार अधिकतम 4,500, 10,000 और 13,000 रुपये स्टांप शुल्क निर्धारित किया गया है। वहीं 10 लाख रुपये से अधिक औसत वार्षिक किराये पर पहले 10 लाख रुपये पर संबंधित श्रेणी की दर लागू होगी, जबकि शेष राशि पर भारतीय स्टांप अधिनियम की अनुसूची के अनुच्छेद-35 के तहत निर्धारित दर से शुल्क जुड़ेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि टोल पट्टा और खनन पट्टा इस छूट के दायरे में नहीं आएंगे। उधर, आगरा से खबर है कि पांच करोड़ 60 लाख से अधिक के बकाएदार अंसल प्रोपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि. पर वसूली को प्रशासन ने शिकंजा कसा है। तहसील सदर प्रशासन ने सोमवार को बिल्डर की करीब 100 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली। अचल संपत्ति ताज सुंशांत सिटी/अंसल एपीआई मौजा सदरवन में करीब साढ़े चार सौ एकड़ जमीन एवं 17 डबल स्टोरी फ्लैट कुर्क की कार्रवाई की है। साथ ही प्रशासन ने उक्त संपत्ति के क्रय-विक्रय पर रोक लगा दी है। एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव ने बताया कि मै. अंसल प्रोपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि. संजय भवन कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली के विरुद्ध 17 रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) से पांच करोड़ 60 लाख 96 हजार 423 रुपये व ब्याज की वसूली के लिए आरसी आई थी। उन्होंने बिल्डर की अचल संपत्ति ताज सुशांत सिटी/अंसल एपीआई मौजा सदरवन के खसरा संख्या 18, 17, 13, 14, 15, 336, 335, 334, 309, 333, 332, 331 तथा जऊपुरा के खसरा संख्या 660 में (बाकीदार का यथाभाग) को कुर्क की कार्रवाई की है। एसडीएम सदर ने बताया कि इस कुर्क की संपत्ति का क्रय-विक्रय किया जाना निषेध माना जाएगा। टीम में संग्रह प्रभारी मोहम्मद समद्ध मिर्जा, अमीन प्रवीन मिश्रा, नीरज त्रिपाठी, मनोज दुबे, रामप्रताप पांडेय, सचिन तिवारी, मनोज तिवारी आदि थे।

अस्पताल के घर में फर्श पर पड़ी मिली सरकारी डॉक्टर की लाश, सिर से बह रहा था खून

लखनऊ। बिजनौर में एक डॉक्टर की लाश अस्पताल परिसर में स्थित उनके आवास में फर्श पर पड़ी हुई मिली। डॉक्टर के सिर से खून बह रहा था। डॉक्टर यहां अकेले रहा करते थे। उनकी पत्नी नोएडा में किसी निजी अस्पताल का संचालन करती हैं। डॉक्टर धामपुर के अस्पताल में ईएमओ पद पर कार्यरत थे। बिजनौर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के बिजनौर के धामपुर में सरकारी अस्पताल परिसर स्थित आवास में सोमवार को ईएमओ डॉ. नवनीत कुमार यादव का शव मिलने से सनसनी फैल गई। उनका शव कमरे में फर्श पर पड़ा मिला। सिर से खून बह रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशंका जताई जा रही है कि पैर फिसलने से चिकित्सक के सिर में चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव से उनकी मौत हो गई। डॉ. नवनीत कुमार यादव मूल रूप से बागपत जिले के अमीनगर सराय के रहने वाले थे। वह 2023 से धामपुर के अस्पताल में ईएमओ पद पर कार्यरत थे और अस्पताल परिसर स्थित आवास में अकेले रहते थे। अस्पताल के ही डॉ. अमित कुमार ने बताया कि डॉ. नवनीत शनिवार को अपने आवास पर ही थे। रविवार को अवकाश होने के कारण वह अस्पताल नहीं आए थे। सोमवार सुबह जब वह काफी देर तक वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे तो अस्पताल का कर्मचारी उन्हें देखने आवास पर पहुंचा। वहां डॉ. नवनीत कमरे के फर्श पर पड़े मिले, उनके सिर से खून बह रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। आशंका जताई जा रही है कि रात में फिसलकर गिरने से डॉ नवनीत के सिर में चोट लगी होगी। हालांकि मौत के स्पष्ट कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही लगेगा। चिकित्सक की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में बिजनौर से पहुंची फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

कालाबाजारी में एनएसए के तहत नजरबंदी गलत, हाईकोर्ट ने 4 आरोपियों को दी बड़ी राहत

लखनऊ। प्रयागराज, विधि संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खाद की कथित कालाबाजारी के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए गए चार आरोपियों को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने कहा कि जब आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के मामलों में निवारक नजरबंदी के लिए विशेष कानून मौजूद है, तो केवल उसमें कम अवधि की नजरबंदी का प्रावधान होने के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का इस्तेमाल कर एक साल तक हिरासत में रखना कानून का दुरुपयोग होगा। कोर्ट ने चारों आरोपियों की नजरबंदी के आदेश रद्द करते हुए उन्हें तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया, बशर्ते वे किसी अन्य मामले में वांछित न हों। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने मोहम्मद हारून, रामेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू, यश राघव और हरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ हरेंद्र पाल सिंह की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया। पुलिस के अनुसार, बुलंदशहर जिले के अनूपशहर थाना क्षेत्र में 10 मई 2026 को जांच के दौरान तीन ट्रकों को रोका गया था। तीनों में इफको की 525-525 बोरियां यूरिया खाद लदी थीं। चालकों के पास खाद के परिवहन से संबंधित बिल या वाउचर नहीं थे। आरोप था कि खाद को बुलंदशहर से दूसरे जिलों में ले जाया जा रहा था। पुलिस का दावा था कि ट्रक चालकों ने खाद का मालिक मोहम्मद हारून को बताया। उसके कब्जे से जुड़े मामले में आरोप लगाया गया कि खाद की कीमत लगभग 5.50 लाख रुपये थी। इसमें 4.50 लाख रुपये नकद और एक लाख रुपये डिजिटल माध्यम से दिए गए थे। पुलिस के मुताबिक, खाद को सरकारी व्यवस्था से निकालकर खुले बाजार में अधिक कीमत पर बेचने की योजना थी। इसी मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई और जिला मजिस्ट्रेट ने अलग-अलग तारीखों पर नजरबंदी के आदेश पारित किए। आरोपियों की ओर से अधिवक्ताओं ने दलील दी कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी के मामलों में निवारक नजरबंदी के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कालाबाजारी की रोकथाम और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने संबंधी विशेष कानून मौजूद है। इसमें अधिकतम छह महीने की नजरबंदी का प्रावधान है, जबकि रासुका के तहत एक साल तक नजरबंदी की जा सकती है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि विशेष कानून के दायरे में आने वाले मामले में सामान्य कानून का इस्तेमाल कर हिरासत की अवधि बढ़ाना उचित नहीं है। राज्य सरकार की ओर से सर्वोच्च न्यायालय के सुरज पाल साहू बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले का हवाला दिया गया।

यूपी में खुली मिठाइयों पर भी बतानी होगी एक्पायरी डेट, 15 अक्तूबर से नियम होगा लागू

लखनऊ। लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में दो दिन बाद मिठाई खरीदने का तरीका बदल जाएगा। 15 अक्तूबर से मिठाई विक्रेताओं को बिक्री स्थल पर उत्पाद की 'यूज बाय डेट' स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होगी। खास बात यह है कि नियम सिर्फ पैक्ड मिठाइयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बिक्री के लिए प्रदर्शित और भंडारित खुली मिठाइयों पर भी उपयोग की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से दर्शानी होगी। इससे उपभोक्ता को मिठाई की उपयोग अवधि की जानकारी खरीद के समय ही मिल सकेगी और वह अपनी जरूरत के अनुसार निर्णय ले सकेगा। विभाग की निरीक्षण और प्रवर्तन कार्यवाहियों के दौरान सामने आया था कि कई स्थानों पर उपभोक्ताओं को मिठाई की निर्माण तारीख और उपयोग अवधि के संबंध में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं होती थी। नई व्यवस्था का उद्देश्य इसी सूचना के अंतर को दूर करना है। एफएसडीए इस संबंध में पहले ही आदेश जारी कर चुका है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग डॉ रोशन जैकब ने 27 सितंबर को इस संबंध में विस्तृत आदेश जारी किया था। एफएसडीए की यह व्यवस्था त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को मिठाई की ताजगी और गुणवत्ता के संबंध में जरूरी जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब ग्राहक मिठाई खरीदते समय यह देख सकेगा कि संबंधित उत्पाद का सेवन किस तारीख तक किया जाना उचित है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी मिठाइयों के लिए एक समान शेल्फ लाइफ निर्धारित नहीं की गई है। मिठाई की प्रकृति, सामग्री, निर्माण प्रक्रिया और भंडारण व्यवस्था के आधार पर खाद्य कारोबारी स्वयं उसकी उपयोग अवधि निर्धारित करेंगे। अलग-अलग मिठाइयों की उपयोग अवधि एक दिन से 30 दिन तक हो सकती है।

नीला ड्रम कांड के मुस्कान-साहिल के लिए सौरभ के परिवार ने मांगी फांसी, 14 अक्तूबर को सुनाई जाएगी सजा

लखनऊ। मेरठ, मुख्य संवाददाता। मेरठ के बहुचर्चित और सनसनीखेज सौरभ राजपूत हत्याकांड (नीला ड्रम मर्डर केस) में 14 अक्तूबर को जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत सजा का ऐलान करेगी। करीब एक हफ्ते पहले अदालत ने मृतक की पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को इस जघन्य हत्याकांड में दोषी करार दिया था। दोषसिद्ध होने के बाद से ही दोनों आरोपी मेरठ जिला जेल में बंद हैं और अदालत के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उधर, सौरभ राजपूत के परिवार ने दोनों के लिए फांसी की सजा की मांग की है। यह खौफनाक वारदात मार्च 2025 में सामने आई थी। जांच के अनुसार, मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की नशीला पदार्थ देकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए आरोपियों ने शव के टुकड़े कर एक नीले प्लास्टिक के ड्रम में डाले और उन्हें सीमेंट तथा रेत से सील कर दिया था। इस घटना के खुलासे के बाद पूरे प्रदेश में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था और तभी से यह मामला अदालत में विचाराधीन था। करीब एक सप्ताह पूर्व जिला जज की अदालत ने दोनों आरोपियों को सौरभ हत्याकांड में दोषी करार दिया था। जेल प्रशासन द्वारा दोनों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया है, ताकि उनकी मानसिक स्थिति सामान्य बनी रहे। दूसरी ओर, मृतक सौरभ के परिवार ने अदालत से दोनों दोषियों के लिए कठोरतम सजा (फांसी) की मांग की है। 14 अक्तूबर को आने वाले इस फैसले पर पूरे क्षेत्र की निगाहें टिकी हुई हैं कि अदालत दोनों को क्या सजा सुनाती है। उधर, दोषी करार दिए जाने के बाद से जेल में सौरभ की पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल की बेचैनी बढ़ गई है। अदालत के फैसले के बाद दोनों अपनी सजा को लेकर परेशान हैं। जेल में उनके व्यवहार और खानपान में आए बदलाव को देखते हुए प्रशासन उनकी काउंसलिंग कराने की तैयारी कर रहा है। मुस्कान को अपनी मासूम बेटी के भविष्य की चिंता सता रही है, तो दोनों जेल स्टाफ से बार-बार अपनी कानूनी लड़ाई और आगे की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ले रहे हैं। अब तक पेशियों के दौरान सामान्य नजर आने वाले साहिल की आंखों में भी पहली बार आंसू दिखाई दिए। वरिष्ठ जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, अदालत से दोषी करार दिए जाने के बाद मुस्कान और साहिल अपने बैरक में पहुंचे तो काफी परेशान थे।

सांसद कम कलाकार ज्यादा सिनेमा में आप

सूर्यप्रताप शाही-रविकिशन ने ली एक-दूसरे की चुटकी

लखनऊ। गोरखपुर में सोमवार को यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और भाजपा सांसद रविकिशन मजाकिया अंदाज में एक-दूसरे की चुटकी लेते दिखे। कृषि मंत्री ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए कहा कि वह सांसद कम कलाकार ज्यादा हैं। इस पर हाल में ठहाके गूंज उठे। वहीं जब रविकिशन ने भी कृषि मंत्री की चुटकी लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा-'सिनेमा में आप आएंगे जरूर। अगली पारी आपकी हमको फिल्मों में दिखाई दे रही है। दोनों ने सोमवार को गोरखपुर में किसानों को सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा डीबीटी के माध्यम से बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से खराब हुई फसलों की राहत राशि के तौर पर 493 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में अपने संबोधन की शुरुआत में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं का नाम लेने के क्रम में सांसद रविकिशन का परिचय बताते हुए कहा कि, 'माननीय सांसद, सांसद कम कलाकार ज्यादा।' कृषि मंत्री की इस बात पर हाल में थोड़ी देर तक ठहाके सुनाई पड़े। इसके बाद कृषि मंत्री ने फिर रविकिशन का परिचय में कहा, 'संसद सदस्य और कलाकार, अपनी माटी की आवाज पूरी दुनिया में बिखेरने वाले। रविकिशन ने भी कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की चुटकी लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत में भोजपुरी में कहा, 'सूर्य प्रताप शाही जी, माननीय कृषि मंत्री आईल बाड़ंन, उनकर धन्यवाद बा कि सब ब्योरा एहर पहुंचईलं।' रविकिशन ने आगे कहा, 'सिनेमा में आप आएंगे जरूर। अगली पारी आपकी हमको फिल्मों में दिखाई दे रही है।' रविकिशन की इस बात पर हाल में ठहाके गूंज उठे। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ डीबीटी के माध्यम से 9,18,091 किसानों के खाते में 493 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। इस मौके पर सीएम योगी ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में प्रदेश में बड़े पैमाने पर फसल को नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर जनहानि और पशुहानि भी हुई है। डबल इंजन की सरकार ने मात्र 8 से 10 दिन के अंदर अपने अन्नदाता किसानों को फसल, मकान और पशुधन की क्षति का मुआवजा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। सीएम योगी ने कहा कि अतिवृष्टि, चक्रवात और बाढ़ से जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 1.20 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराई गई है। यह राशि 493 करोड़ रुपये की फसल क्षति सहायता में शामिल नहीं है, बल्कि अलग से दी जा रही है। जिन लोगों के मकान पूरी तरह बह गए या नष्ट हो गए, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तत्काल आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए भी नियमानुसार मुआवजा दिया जा रहा है। पशुहानि के मामलों में भी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

दूल्हा नहीं ही सास-ससुर भी सन्न, शादी के 24 घंटे के अंदर दुल्हन के कारनामे सबके उड़ाए होश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में एक नई नवेली दुल्हन के कारनामे ने दूल्हा, सास और ससुर ही नहीं सबके होश उड़ा दिए। क्षेत्र में शातिर लुटेरी दुल्हन गिरोह ने एक बेहद सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया है। शादी के महज़ 24 घंटे के भीतर नई-नवेली दुल्हन दूल्हे और उसके पूरे परिवार को चकमा देकर 2 लाख की नकदी और लाखों के सोने-चांदी के कीमती आभूषण समेटकर रफूचक्कर हो गई। पीड़ित दूल्हा और उसका परिवार जब तक इस शातिर ठगी को समझ पाता, तब तक दुल्हन का कोई अता-पता नहीं था। पूरे इलाके में यह वारदात चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक नजदीकी गांव निवासी युवक की शादी कराने का झांसा गांव के ही दो बिचौलियों ने दिया था। बिचौलियों के माध्यम से संपर्क साधकर युवक शनिवार सुबह बिहार राज्य के रामगढ़ पहुंचकर पूजा नाम की युवती से पूरे रीति-रिवाज के साथ विवाह रचाकर उसे अपने गांव ले आया। परिजनों में नई-नवेली बहू के आगमन की खुशियां मनाई ही जा रही थीं कि रविवार को शातिर दुल्हन ने अपनी चाल चल दी। उसने पूरी प्री-प्लानिंग के तहत परिजनों से शॉपिंग करने की फरमाइश रखी और जिद करके सारे सोने-चांदी के आभूषण पहन लिए। पति ने उसकी बातों में आकर दो लाख रुपये निकाल कर दिए, जिन्हें दुल्हन ने अपने ही पर्स में रख लिया। पति उसको खरीदारी कराने गजरौला के बाजार ले गया। वहां व्यस्त बाजार में भीड़भाड़ का फायदा उठाकर दुल्हन ने पति को एक दुकान पर सामान देखने में उलझाया और चंद सेकेंडों में भीड़ में गायब हो गई। दूल्हे ने काफी देर तक गजरौला के हर मोड़ और दुकान पर उसकी परिजनों ने सोमवार तड़के गांव में एक पंचायत बुलाई।

ठाणे में देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश, टीवी अभिनेत्री को बचाया

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में मानव तस्करी और देह व्यापार के कथित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने हिंदी धारावाहिकों और वेब सीरीज में काम कर चुकी 35 वर्षीय अभिनेत्री को सुरक्षित बचाया है। इस मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके पुरुष साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरोह मनोरंजन जगत से जुड़ी महिलाओं को कथित तौर पर देह व्यापार में धकेलता था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने आठ अक्टूबर को मीरा-भायंदर रोड स्थित एक होटल में फर्जी ग्राहक भेजकर जाल बिछाया। इसके बाद मौके पर छापा मारकर कथित महिला दलाल को गिरफ्तार कर लिया गया।

● **पैसे लेते समय पकड़ी गई महिला:** पुलिस ने गिरफ्तार महिला की पहचान तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी (39) के रूप में की है। आरोप है कि वह महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के बदले पैसे ले रही थी। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 143 और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

● **मनोरंजन जगत की महिलाओं को बनाते थे निशाना:** प्रारंभिक जांच के अनुसार, गिरोह कथित तौर पर टेलीविजन धारावाहिकों, वेब सीरीज और फोटोशूट में काम करने वाली महिलाओं को निशाना बनाता था। पुलिस ने बचाई गई अभिनेत्री को सुरक्षा और देखभाल के लिए मुंबई स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन में रखा है। अधिकारियों ने अभिनेत्री की पहचान और मामले से जुड़ी अन्य निजी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं।

सोशल मीडिया

आमिर खान की लाडली के साथ हिरासत में बर्बरता!

आमिर खान की भांजी और एक्ट्रेस जायन मैरी खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस वीडियो में उनके शरीर पर चोट के निशान दिखाई दे रहे हैं। जायन को 10 अक्टूबर को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस दौरान एक्टर इमरान खान और उनकी गर्लफ्रेंड लेखा वॉशिंगटन को भी हिरासत में लिया गया था। हालांकि, कुछ घंटों बाद तीनों को छोड़ दिया गया।

क्या थी प्रदर्शन की वजह?

यह प्रदर्शन वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों को लेकर किया गया था। प्रदर्शनकारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन में 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांग का समर्थन किया गया था।

जायन के वीडियो ने खींचा ध्यान: हिरासत से रिहा होने के बाद जायन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके शरीर पर चोट के निशान नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, जायन को ये चोटें कब और कैसे लगीं, इसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने भी वीडियो में चोट लगने की वजह के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी।

लेखा वॉशिंगटन ने भी लगाए थे आरोप

इस घटना के बाद लेखा वॉशिंगटन ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव के बारे में बताया था। उन्होंने आरोप लगाया कि रिहाई के बाद घर जाने के लिए कैब मिलना मुश्किल हो गया था और कैब ड्राइवरों को धमकाया जा रहा था। हालांकि, इन आरोपों की भी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

प्रदर्शन के दौरान इमरान खान, लेखा वॉशिंगटन और जायन मैरी खान को पुलिस वैन में ले जाते हुए देखा गया था। अब जायन के वीडियो के सामने आने के बाद यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

कंगना के AI वीडियो हटाने का आदेश

बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौट को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनकी पहचान का गलत इस्तेमाल करने वाले AI से बने डीपफेक वीडियो, फर्जी भाषण, एडिटेड तस्वीरों और अन्य आपत्तिजनक कंटेंट के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा दी है। कोर्ट ने मेटा को आदेश में इस तरह के कंटेंट की जानकारी मिलने और आदेश की कॉपी मिलने के 72 घंटे के भीतर उसे हटाने या उसकी पहुंच बंद करने का निर्देश दिया है। संबंधित सरकारी विभागों को चिह्नित वेबसाइट्स को ब्लॉक करने के लिए जरूरी कदम उठाने को भी कहा गया है। कंगना रनौट ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर उनकी पहचान का इस्तेमाल करके फर्जी और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित किया जा रहा है। इसमें AI से तैयार की गई अश्लील तस्वीरें, एडिटेड वीडियो, गलत बयान और ऐसे कंटेंट शामिल हैं जिनसे ऐसा लग सकता है कि कंगना ने कोई बात कही या कोई काम किया है, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं हुआ।

कंगना की ओर से दलील दी गई कि इस तरह के कंटेंट से उनकी प्रतिष्ठा, निजता, गरिमा और पहचान को नुकसान पहुंचता है।

8 अक्टूबर को मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिका पर नोटिस जारी किया था। इसके बाद 12 अक्टूबर को सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए चिह्नित कंटेंट हटाने और संबंधित वेबसाइट्स तक पहुंच रोकने के निर्देश दिए।

● **72 घंटे के भीतर कंटेंट हटाना होगा:** मेटा को आदेश में चिह्नित आपत्तिजनक कंटेंट हटाने या उसकी पहुंच बंद करने का निर्देश दिया गया है। इसमें वीडियो, रील्स, पोस्ट और संबंधित अकाउंट या चैनल शामिल हो सकते हैं। कंगना की पहचान का बिना अनुमति इस्तेमाल करके बनाए गए डीपफेक, बदले हुए वीडियो-ऑडियो, फर्जी भाषण, अश्लील कंटेंट और झूठे एंडोर्समेंट पर रोक लगाई गई है।

● **कार्रवाई की रिपोर्ट देनी होगी:** संबंधित पक्षों को कोर्ट में अनुपालन संबंधी हलफनामे दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। कंगना को बाद में सामने आने वाले ऐसे कंटेंट के लिंक भी संबंधित पक्षों को भेजने की अनुमति दी गई है। कंगना रनौट से पहले जान्हवी कपूर, ऐश्वर्या राय, अमिताभ बच्चन, सलमान खान जैसे कई सेलेब्स पर्सनैलिटी राइट्स ले चुके हैं। पर्सनैलिटी राइट्स यानी व्यक्तित्व से जुड़े अधिकार। इनके तहत किसी व्यक्ति को अपने नाम, तस्वीर, आवाज, पहचान और उसकी विशिष्ट पहचान से जुड़े दूसरे पहलुओं के अनधिकृत इस्तेमाल के खिलाफ कानूनी सुरक्षा मांगने का अधिकार मिल सकता है।

अमिताभ बच्चन ने फैन से हाथ मिलाने से किया इनकार

अमिताभ बच्चन ने अपने जन्मदिन के मौके पर छोटी फैन से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। दरअसल अमिताभ के 84वें जन्मदिन पर उनके मुंबई स्थित आवास 'जलसा' के बाहर फैंस की भीड़ जुटी। इस दौरान हमेशा की तरह 'संडे दर्शन' की परंपरा निभाते हुए अमिताभ बच्चन बाहर आए। तभी एक बच्ची सिक्यॉरिटी तोड़कर अमिताभ से हाथ मिलाने के लिए उनके करीब पहुंच गई। इस घटना का वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। बच्ची सिक्यॉरिटी तोड़कर अमिताभ से हाथ मिलाने के लिए उनके करीब पहुंच गई। बच्ची सिक्यॉरिटी तोड़कर अमिताभ से हाथ मिलाने के लिए उनके करीब पहुंच गई।

सुरक्षा टीम से बच्ची को दूर ले जाने को कहा: वीडियो में देखा जा सकता है की जब महिला प्रशंसक अमिताभ बच्चन के करीब जाने की कोशिश करती है, तब उनके बॉडीगार्ड्स बीच में आकर उसे रोकते हैं। वह लगातार उनसे हाथ मिलाने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान अमिताभ लगातार उससे मिलने से बचते नजर आए और उन्होंने उससे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। वीडियो में एक जगह वे अपनी सुरक्षा टीम को इशारा करके उस महिला को वहां से ले जाने के लिए कहते हुए भी दिख रहे हैं।

प्राइवेट वीडियो लीक होने से टूट गईं अपूर्वा मुखीजा

एयरपोर्ट पर फूट-फूटकर रोईं 'रिबेल किड' बोलीं- माता-पिता ने भी देखा वीडियो

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और यूट्यूबर अपूर्वा मुखीजा, जिन्हें 'रिबेल किड' के नाम से जाना जाता है, इन दिनों अपने निजी वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने को लेकर चर्चा में हैं। अपूर्वा का कथित किसिंग वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने पहली बार इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया कि वीडियो सामने आने की जानकारी मिलने पर वह बुरी तरह भावुक हो गई थीं और लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर खुद को संभाल नहीं पाई थीं।

अपूर्वा ने अपने यूट्यूब व्लॉग में बताया कि वायरल हो रहा वीडियो करीब एक साल पुराना है। यह एक निजी पार्टी का वीडियो था, जहां उनके साथ अमीन जैज भी मौजूद थे। अपूर्वा के मुताबिक, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि कोई उनके निजी पल को रिकॉर्ड कर रहा है। काफी समय बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया।

● **तुर्किये से न्यूयॉर्क जाते समय मिली जानकारी:** अपूर्वा ने बताया कि वह तुर्किये से न्यूयॉर्क जा रही थीं। इस दौरान लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर उनकी उड़ान में देरी हुई। इसी बीच उनके फोन पर लगातार संदेश आने लगे। लोग उनसे वायरल वीडियो के बारे में पूछ रहे थे। शुरुआत में अचानक मिले इन संदेशों से वह हैरान रह गईं, लेकिन जब उन्हें पूरे मामले का पता चला तो वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गईं।

उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर काफी लोग मौजूद थे, लेकिन वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। निजी वीडियो सार्वजनिक होने और लोगों के लगातार संदेश आने से वह भावनात्मक रूप से टूट गई थीं।

● **माता-पिता को रिश्ते की नहीं थी जानकारी**

अपूर्वा के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे मुश्किल पहलू उनके माता-पिता की प्रतिक्रिया थी। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता को पहले उनके रिश्ते के बारे में जानकारी नहीं थी। वीडियो सामने आने के बाद उन्हें पता चला कि उनके माता-पिता ने भी इसे देख लिया है। इस बात ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी।

अपूर्वा ने अपने व्लॉग में कहा कि उनके माता-पिता को यह तक नहीं पता था कि उनका कोई प्रेमी है। ऐसे में अचानक निजी जिंदगी से जुड़ी बात सार्वजनिक हो जाने के कारण वह बेहद तनाव में आ गई थीं।

इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर निजी पलों की रिकॉर्डिंग और उन्हें बिना अनुमति सार्वजनिक करने को लेकर भी चर्चा हो रही है। हालांकि, वीडियो लीक होने के पीछे कौन जिम्मेदार है, इस संबंध में उपलब्ध रिपोर्ट में कोई पुष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

नवरात्रि पर नैना देवी मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

नैनीताल में बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और रिया चक्रवर्ती अपनी नई थ्रिलर-रोमांटिक फिल्म 'पीएन 36' की शूटिंग कर रही हैं। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर जाह्नवी कपूर होटल से करीब 150 मीटर पैदल चलकर नैना देवी मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने मां की आरती की और पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से उन्हें मां की चुनरी भेंट की गई। जाह्नवी और रिया ने बारिश और बादलों के बीच फिल्म के एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग भी की। अब तक फिल्म की शूटिंग नैनीताल के स्विस होटल में हुई है।

शनिवार को दोनों एक्ट्रेस ने यहां शूटिंग की थी। वहीं, होटल नमः में भी फिल्म के कुछ सीन फिल्माए गए हैं। हालांकि, यह शूटिंग नैनीताल से बाहर हुई है। शूटिंग के बीच दोनों एक्ट्रेस नैनीताल में ही हैं। ब्रेक के दौरान उनके आसपास के इलाकों में घूमने की संभावना है। दोनों के कैंची धाम जाने की भी चर्चा है, हालांकि अभी दर्शन का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है।

> "रिया चक्रवर्ती के साथ नैनीताल में कर रहीं शूटिंग, बारिश के बीच रोमांटिक सॉन्ग शूट किया"

जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का भी ध्यान रख रही हैं। वह सुबह करीब 7 बजे मल्लीताल के रोपवे मार्ग स्थित बुल्स जिम में वर्कआउट करने पहुंची थीं। 'पीएन 36' में साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं।

नाना पाटेकर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई

नाना पाटेकर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि उनका निधन हार्ट अटैक से हुआ था। गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (GMCH) के एक सीनियर डॉक्टर ने रविवार को एक न्यूज एजेंसी यह जानकारी दी। डॉक्टर के मुताबिक, नाना पाटेकर को दिल का दौरा पड़ा था। हार्ट की मुख्य नस (लेफ्ट मेन कोरोनरी आर्टरी) में खून का थक्का जमने से यह स्थिति बनी। यह नस दिल के एक बड़े हिस्से तक खून पहुंचाती है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत की वजह एथेरोस्क्लेरोटिक कोरोनरी आर्टरी डिजीज के कारण दिल की मुख्य नस में खून का थक्का जमने से हुआ गंभीर हार्ट अटैक बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई।

नाना ने निधन से कुछ घंटे पहले दोस्त को मैसेज किया

पुलिस जांच में पता चला है कि नाना पाटेकर ने निधन से कुछ घंटे पहले अपने करीबी दोस्त अमेय नाईक से संपर्क करने की कोशिश की थी। उन्होंने 8 अक्टूबर की सुबह करीब 2:30 बजे वॉट्सऐप पर मैसेज भेजकर तबीयत ठीक नहीं होने की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने अमेय को फोन भी किया। पुलिस के मुताबिक, अमेय नाईक ने नाना पाटेकर का मैसेज सुबह करीब 3:30 बजे देखा। इसके बाद वे तुरंत उनके डोना पावला स्थित घर पहुंचे। वहां उन्होंने नाना को सोफे पर बेहोश पाया।

ला लीगा-वैलेंसिया और रेसिंग सैंटेंडर के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली। वैलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोट हुई रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। हालांकि, मेजबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इनिगो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जबिरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया। एक अन्य मैच में इस्को ने दो गोल किए और रियल बेटिस ने अपने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया, जिससे वे ला लीगा में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और टॉप पर चल रही बार्सिलोना से पांच अंक पीछे हैं। ओसासुना के डिफेंडर उनाई सैंटोस के फाउल करने के बाद इस्को ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल करके खाता खोला, और 31वें मिनट में कुचो हर्नांडेज की मदद से एज अब्दे ने बेटिस की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम के तीन मिनट बाद बेटिस 3-0 से आगे हो गई जब एंटे बुदिमिर का क्लीयरेंस का प्रयास डिएगो लोरेंटे से टकराकर नेट में चला गया, लेकिन बुदिमिर और बेटिस के पूर्व फॉरवर्ड राउल गार्सिया के तेज गोल ने ओसासुना को मुकाबले में वापस ला दिया। इस्को ने मैच में अपना दूसरा गोल करके बेटिस की दो गोल की बढ़त को फिर से कायम किया, जिसके बाद डेब्यू करने वाले जोस एंटोनियो मोरांटे ने स्टॉपेज टाइम में स्कोरिंग पूरी की। दूसरी ओर, रियल सोसिदाद ने दूसरे हाफ में डेपोर्टिवो ला कोरुना की जबरदस्त वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए अपने घरेलू मैदान पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि मैच के आखिर में उनके पास दस खिलाड़ी ही बचे थे। टीम को शुरुआती बढ़त जॉन मार्टिन ने दिलाई, जिन्होंने कार्लोस सोलर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर गोल किया। इसके बाद आर्सेन जखार्यान ने 34वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। सोसिदाद ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जब गोंकालो गुएडेस ने हाफवे लाइन से शानदार दौड़ लगाते हुए बाएं पैर से बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, डेपोर्टिवो ने हार नहीं मानी और वापसी की कोशिश जारी रखी। मारियो सोरियानो ने 61वें मिनट में गोल कर डेपोर्टिवो का खाता खोला। इसके चार मिनट बाद सोसिदाद को बड़ा झटका लगा, जब पाब्लो मारिन को बिल एन'सोंगो को गोल करने का स्पष्ट मौका रोकने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। डेपोर्टिवो को इसके बाद पेनल्टी मिली, जिसे येरेमे हर्नांडेज ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया। आखिरी मिनटों में भारी दबाव झेलने के बावजूद सोसिदाद ने बढ़त बचाए रखी और तीन अंक अपने नाम किए। वहीं, रविवार के मुकाबलों की शुरुआत एल्चे और सेल्टा विगो के बीच खेले गए गोलरहित ड्रॉ से हुई।

एक नज़र

भारत बनाम वेस्टइंडीज: 15 साल बाद प्रिंस यादव ने दोहराया अनोखा कारनामा, अश्विन-श्रीसंत की लिस्ट में जुड़ा नाम

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव गेंद से भले ही कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके, लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में 6 गेंदों में 13 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। प्रिंस ने अपनी इस पारी में 3 चौके लगाए। वह भारत की ओर से नंबर 10 या 11 पर बल्लेबाजी करते हुए तीन या उससे अधिक बाउंड्री लगाने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, टी20 इंटरनेशनल में इस बैटिंग पोजीशन पर खेलते हुए सिर्फ रविचंद्रन अश्विन और एस श्रीसंत ही यह मुकाम हासिल कर सके हैं। अश्विन ने साल 2011 में 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टी20 मुकाबले में 3 बाउंड्री लगाई थी। वहीं, श्रीसंत ने 2007 में न्यूजीलैंड के खिलाफ नंबर 10 की पोजीशन पर खेलते हुए 10 गेंदों में 19 रनों की अपनी पारी में चार चौके लगाए थे। हालांकि, प्रिंस का प्रदर्शन गेंद से कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट लिए 37 रन दिए। तीसरे टी20 में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 223 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों का सामना करते हुए 69 रनों की दमदार पारी खेली। 230 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रनों का योगदान दिया। तिलक वर्मा ने 16 गेंदों में 28 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 14 रन बनाए। हालांकि, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। टीम की ओर से शिमरोन हेटमायर ने सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि कामिल पूरन ने 42 रनों का योगदान दिया। शमर स्प्रिंगर 11 गेंदों में 35 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 44 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, नमन धीर ने 2 विकेट झटके। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल कर ली है।

टी20 सीरीज: शतक चूके सदाकत, श्रीलंका को 82 रन से रौंदकर पाकिस्तान ने बनाई 2-0 से अजेय बढ़त

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 82 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तान ने सीरीज का पहला मैच 4 विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद अगला मुकाबला भी अपने नाम करते हुए पाकिस्तान ने श्रीलंका को सम्मान बचाने की स्थिति में डाल दिया है। तीसरा और अंतिम मैच 13 अक्टूबर को खेला जाना है। रविवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने 3 विकेट खोकर 215 रन बनाए। फखर जमां के साथ कप्तान साहिबजादा फरहान ने 6.5 ओवरों में 55 रन की साझेदारी की। फखर जमां 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फरहान ने माज सदाकत के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 88 रन जुटाकर स्कोर 143 रन तक पहुंचा दिया। फरहान 73 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 5 छक्के और 4 चौके शामिल रहे। इसके बाद माज सदाकत ने हसन नवाज के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 72 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया। सदाकत अपने शतक से महज 4 रन दूर रह गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और 6 चौकों के साथ 96 रन की पारी खेली, जबकि हसन नवाज 9 गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से महेश थीक्षाना, ईशान मलिंगा और दासुन शनाका ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 133 रन ही बना सकी। इस टीम के लिए चामिंदु विक्रमसिंघे ने सर्वाधिक 29 रन बनाए, जबकि महेश दीक्षाना ने 26 गेंदों में 4 चौकों के साथ नाबाद 32 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कामिंदु मेंडिस ने 23 रन और सिनेथ जयवर्धने ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, लेकिन श्रीलंका को जीत नहीं दिला सके। विपक्षी खेमे से मोहम्मद इमरान रंधावा ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि सलमान मिर्जा ने 2 विकेट चटकाए।

भारत और वेस्टइंडीज आईसीसी ने 2 खिलाड़ियों को लगाई फटकार, भारत-वेस्टइंडीज दूसरे टी20 से जुड़ा था पूरा मामला

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज रोमांचक मोड़ पर है। पहला मैच भारत ने जीता था तो दूसरे मैच में मेहमान कैरेबियाई टीम ने जीत दर्ज की थी। तीसरे मैच में भारतीय टीम ने जीत के साथ सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। इसी बीच दूसरे टी20 से जुड़े दो ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें आईसीसी ने वेस्टइंडीज के दो खिलाड़ियों को फटकार लगाई है। यह मामले रांची में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले से जुड़े हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के क्रिकेटर रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड को शुक्रवार को भारत के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले के दौरान आईसीसी की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए फटकार लगाई गई है। दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है जो पिछले 24 महीनों में दोनों का पहला उल्लंघन है। रोवमैन पॉवेल को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह प्रावधान क्रिकेट उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित है। वेस्टइंडीज की पारी के छठे ओवर में मयंक यादव की गेंद पर आउट होने के बाद पॉवेल ने अपने बल्ले से गेंद को जोर से दूर मार दिया था। वहीं वेस्टइंडीज के एक और खिलाड़ी शेरफेन रदरफोर्ड पर आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के उल्लंघन का आरोप लगा, जो अंपायर के

फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। वेस्टइंडीज की पारी के 13वें ओवर में एक गेंद को वाइड मानने वाले रदरफोर्ड ने गेंद को वैध करार दिए जाने के बाद अंपायर पर आक्रामक अंदाज में चिल्लाकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी गलती स्वीकार कर ली और आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल के सदस्य मैच रेफरी प्रकाश भट्ट की ओर से प्रस्तावित सजा को भी मान लिया। इसके चलते मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ मैदान पर मौजूद अंपायर जयरमन मदनगोपाल और रोहन पंडित के अलावा तीसरे अंपायर नितिन मेनन तथा चौथे अंपायर वीरेंद्र शर्मा ने आरोप लगाए थे। आईसीसी आचार संहिता के स्तर एक के उल्लंघन पर न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है। इसके अलावा खिलाड़ी पर उसकी मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है और एक या दो डिमेरिट अंक दिए जा सकते हैं। मौजूदा सीरीज के तीन मैच हो चुके हैं और चौथा मुकाबला 14 अक्टूबर को हैदराबाद और आखिरी व पांचवां टी20 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 के पहले चार में से तीन मैच इंडिया चैंपियंस की टीम गंवा चुकी है। लगातार तीन हार के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल की राह मुश्किल लग रही है, लेकिन नामुमकिन नहीं है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम सेमीफाइनल की दावेदारी मजबूत कर सकती है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज- तिलक वर्मा ने पूरा किया खास अर्धशतक, कोहली-रोहित के क्लब में हुए शामिल

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत से मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 209 रन ही बना सकी। तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में खास अर्धशतक पूरा किया। दरअसल, तिलक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के महज पांचवें खिलाड़ी बने हैं। तिलक से पहले यह उपलब्धि रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ने हासिल की है। इस लिस्ट में 65 कैच लेकर रोहित सबसे ऊपर मौजूद हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 64, सूर्यकुमार ने 58 और कोहली ने 54 कैच पकड़े हैं। तीसरे टी20 में तिलक का प्रदर्शन बल्ले से भी दमदार रहा। उन्होंने महज 16 गेंदों का सामना करते हुए 28 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके लगाए। दूसरे टी20 में भी तिलक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी खेली थी। तीसरे टी20 में तिलक के अलावा, भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए।

वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रन बनाए, जिसके दम पर भारत की टीम 223 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, वेस्टइंडीज की टीम शिमरोन हेटमायर (43 रन) और कामिल पूरन (42 रन) की दमदार पारियों के बावजूद लक्ष्य से 14 रन दूर रह गई।

रिंकू सिंह-माधव कौशिक के शतक; यूपी के बल्लेबाजों का जलवा, रणजी ट्रॉफी के पहले मैच में बिहार के खिलाफ बनाए 540 रन

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले राउंड का आगाज 11 अक्टूबर 2026 (रविवार) से हो चुका है। एलीट ग्रुप ए के पहले मैच में यूपी ने बिहार के खिलाफ बेहतरीन आगाज किया है। उत्तरप्रदेश की टीम ने बिहार के खिलाफ मैच की पहली पारी में 540 रन बनाए। ओपनर माधव कौशिक ने 150 रन की पारी खेली। वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 112 रन की बेहतरीन पारी खेली। मुकाबले के पहले दिन यूपी की टीम ने 3 विकेट पर 287 रन बनाए थे। दूसरे दिन टीम के लिए आराध्य यादव (84) और जीशान अंसारी (58) ने अच्छी पारियां खेलीं। अंत में अभिनंदन सिंह ने 30 गेंद पर 43 रन बनाते हुए स्कोर 540 रन तक पहुंचा दिया। यूपी ने कुल 153.1 ओवर बल्लेबाजी की। बिहार के गेंदबाजों को टीम ने पूरी तरह थका दिया। बिहार के लिए इस पारी में अमोद यादव ने सर्वाधिक चार विकेट लिए। उन्होंने 29.1 ओवर डालते हुए 6 मेडन के साथ 91 रन दिए और चार सफलताएं हासिल कीं। उनके अलावा सूरज कश्यप तीन और कप्तान सकीबुल गनी ने 2 विकेट झटके। हिमांशु सिंह को भी एक विकेट इस पारी में मिला। यूपी की टीम की शुरुआत खास नहीं रही थी। 26 रन पर टीम ने ओपनर अभिषेक गोस्वामी (13) के रूप में पहला विकेट गंवाया। फिर कप्तान आर्यन जुयाल (13) भी जल्दी पवेलियन लौट गए थे। करन शर्मा ने भी सिर्फ 13 रन का ही योगदान दिया था और स्कोर था 85 रन पर तीन विकेट। यहां से रिंकू सिंह और माधव कौशिक ने 207 रन की साझेदारी चौथे विकेट के लिए की और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। फिर माधव ने आराध्य के साथ भी 82 रन जोड़े। यूपी की टीम- आर्यन जुयाल (कप्तान), रिंकू सिंह, अभिषेक गोस्वामी, आराध्य यादव, करन शर्मा, माधव कौशिक, आदित्य शर्मा, सिद्धार्थ यादव, प्रशांत वीर, कार्तिक यादव, जीशान अंसारी, वंश चौधरी, यश दयाल, प्रियम गर्ग, अभिनंदन सिंह, कार्तिक त्यागी। बिहार की टीम- सकीबुल गनी (कप्तान), हिमांशु सिंह (उपकप्तान), आयुष लोहारुका, मंगल महरौर, नमन गौरव, पीयूष सिंह, बिपिन कुमार सौरभ (विकेटकीपर), श्रमण निग्रोध (विकेटकीपर), आकाश राज, पृथ्वी राज, खालिद आलम, सूरज कुमार कश्यप, साकिब हुसैन, मोहम्मद इजहार, शब्बीर खान, राघवेंद्र सिंह, अमोद यादव। स्टैंडबाय- नवाज खान, मलय राज, दानिश आलम, तरुण कुमार सिंह, सचिन कुमार सिंह, प्रशांत कुमार सिंह। एड़ी की हड्डी टूटने और दोबारा चोट लगने के कारण करीब दो साल तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट से दूर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज रोहित शर्मा ने रणजी ट्रॉफी में शानदार वापसी की।

मैंने इनकी बैटिंग देखी हुई है, दिल्ली में नाम चलता है, अभिषेक ने प्रिंस यादव की बल्लेबाजी को सराहा

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रनों से हराया। भारतीय पारी के अंतिम ओवरों में प्रिंस यादव ने बल्ले से अहम योगदान दिया और 6 गेंदों में नाबाद 13 रन बनाए। अभिषेक शर्मा का कहना है कि प्रिंस में बल्लेबाजी करने की काबिलियत है और वह बड़े-बड़े शॉट लगा सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा शेयर किए गए वीडियो में प्रिंस ने बताया कि तीसरे टी20 में बल्लेबाजी करने के लिए अभिषेक शर्मा ने अपना एक बल्ला दिया था। प्रिंस ने कहा, टीम के लिए योगदान देना तो अच्छी बात ही है। फिर चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी या फिर फील्डिंग। टीम की सफलता में योगदान देकर अच्छा लगता है। अभिषेक भैया (शर्मा) ने मुझे बैट दिया था और बोला था कि बेइज्जती मत करा देना, तो मैंने बस उसकी इज्जत रख ली। वीडियो में प्रिंस के साथ नजर आ रहे अभिषेक ने उनकी बल्लेबाजी क्षमता की सराहना की। इस बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने कहा, अगर किसी ने प्रिंस की बल्लेबाजी नहीं देखी है, तो मैंने देखी है। दिल्ली के सिंगल फट्टी क्रिकेट में खिलाड़ियों का सीधा आमना-सामना होता है, जहां हर खिलाड़ी को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों करनी होती है। प्रिंस में बड़े शॉट लगाने का जो हुनर है, उसकी झलक इस मैच में भी देखने को मिली है। आने वाले समय में उनका यह टैलेंट और निखरकर सामने आएगा। वैसे बल्ला तो मेरा था, लेकिन बाउंड्री पार जाने वाले उन शॉट्स में पूरा जोर प्रिंस का ही था। प्रिंस ने बताया कि उन्होंने इंग्लैंड में भी अभिषेक के बल्ले से बैटिंग की थी और छक्का लगाया था। उन्होंने कहा कि वह अब जब भी बल्लेबाजी करने जाएंगे, तो वह अभिषेक से ही बल्ला लेकर जाएंगे। प्रिंस भारत की ओर से नंबर 10 या 11 पर खेलते हुए टी20 इंटरनेशनल में तीन या उससे अधिक बाउंड्री लगाने वाले महज तीसरे खिलाड़ी बने।

पारंपरिक खेलों की विरासत सहेजने की पहल, भारत ने ब्रिक्स देशों को दिया इतिहास, नियम और उपकरणों का रिकॉर्ड बनाने का सुझाव

नई दिल्ली। पारंपरिक और स्वदेशी खेलों की विरासत को सहेजने और उन्हें वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में भारत ने पहल की है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार 12 अक्टूबर 2026 को ब्रिक्स देशों को पारंपरिक खेलों का साझा भंडार तैयार करने का सुझाव दिया। इसमें इन खेलों के इतिहास, नियम, उपकरणों और खेल के मैदान से जुड़ी आवश्यकताओं का दस्तावेजीकरण किये जाने की बात है। मनसुख मांडविया ने यह बात अहमदाबाद में आयोजित ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल प्रदर्शन समारोह के उद्घाटन के दौरान कही। यह एक दिवसीय आयोजन प्रतिस्पर्धा के बजाय पारंपरिक खेलों के प्रदर्शन और उनसे जुड़ी प्रथाओं के आदान-प्रदान पर केंद्रित है। भारत ने इसके लिए मल्लखंब, योगासन और कलरीपयट्टू का चयन किया है। भारत के अलावा ब्रिक्स के 10 अन्य देशों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

इनमें चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत भविष्य की जरूरतों के अनुरूप खेल बुनियादी ढांचे में निवेश करके खेलों को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक व्यापक 360 डिग्री दृष्टिकोण के साथ भविष्य के लिए टिकाऊ खेल व्यवस्था तैयार कर रहा है। इस दृष्टिकोण में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी बढ़ाने, प्रतिभाओं की पहचान करने, कोचिंग, खेल विज्ञान, बुनियादी ढांचे के विकास, खिलाड़ियों के कल्याण और अंतरराष्ट्रीय अनुभव जैसे पहलू शामिल हैं। खेल मंत्री ने सरकार की प्रमुख पहल खेलो इंडिया के लिए 3.76 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 36400 करोड़ रुपये से अधिक के बजटीय आवंटन का भी उल्लेख किया। इस पहल के तहत देशभर में खेल बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के साथ युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया जाएगा। मनसुख मांडविया ने कहा, हमारी महत्वाकांक्षा केवल आज विश्वस्तरीय खेल बुनियादी ढांचा तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए खेलों की एक स्थायी विरासत बनाना भी है। मनसुख मांडविया ने कहा कि वैश्विक खेल परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।

आज खेल केवल प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि युवा विकास, सामाजिक समावेशन, सांस्कृतिक समझ और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक प्रभावी माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत के स्वदेशी खेल प्राचीन विरासत और आधुनिक उच्च प्रदर्शन क्षमता का मेल प्रस्तुत करते हैं।

पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल फिर हुए एक; 17 सितंबर को सगाई टूटने का ऐलान, अब क्रिकेटर ने खुद पर लिया सारा दोष और बदला फैसला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ और उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इसी साल मार्च में सगाई की थी। दोनों ने सोशल मीडिया हैंडल्स पर इसकी तस्वीरें भी शेयर की थीं। पिछले कुछ समय से लगातार दोनों के रिश्तों में तल्खियों की खबरें थीं और 17 सितंबर को आकृति ने इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए एक दूसरे से अलग होने की जानकारी दी थी। अब भारतीय क्रिकेटर ने इस पर नया अपडेट दिया और कहा कि वह दोनों फिर एक हो गए हैं। पृथ्वी शॉ ने 12 अक्टूबर 2026 (सोमवार) की शाम इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। उनके मुताबिक वह कई लोगों के सलाह के चलते राश्ता भटक गए थे। इसी कारण दोनों के रिश्ते में खटास बढ़ी थी। अब शॉ ने खुद के ऊपर पीछे हुए सभी विवादों का दोष लिया और फैसला बदलने की जानकारी दी। पृथ्वी शॉ ने अपने और

आकृति अग्रवाल के फिर से साथ होने की जानकारी देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा,मैंने अपने उन करीबियों के विचारों को मानते हुए सगाई तोड़ने का फैसला किया था, जो हम दोनों के रिश्ते के बारे में शायद हमसे ज्यादा जानते थे। उन लोगों का मेरे और मेरी मंगेतर के रिश्ते पर बहुत ज्यादा जोर चलता था। वहीं से मैं रास्ता भटक गया और मैंने यह फैसला कर लिया जो शायद नहीं होना चाहिए था। हम दोनों के बीच कम से कम बातचीत जरूरी थी। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे लिखा,मैं उस फैसले और उससे हुई दिक्कतों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। इसके बाद हमने एक दूसरे से बात की, एक दूसरे को समझा और वापस से एक होने का फैसला किया। एक साथ हम दोनों एक दूसरे के लिए काफी हैं और हमें अब किसी की जरूरत नहीं है। इस बार मैं अपने भविष्य को आपसी सहमति, विश्वास और प्यार से आगे बढ़ाना चाहुंगा। अब हम दोबारा एक साथ हैं, प्लीज हमारे इस फैसले का सम्मान करें। गौरतलब है कि इसी साल 8 मार्च को पृथ्वी शॉ ने आकृति अग्रवाल के साथ सगाई को अपनी परफेक्ट पारी बताते हुए नई शुरुआत की थी।

इसके बाद अगस्त से दोनों के रिश्ते में खटास की खबरें आ रही थीं। फिर 17 सितंबर 2026 को आकृति अग्रवाल ने पोस्ट करते हुए लिखा था,मैंने और मेरे मंगेतर ने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और परिस्थितियों के कारण अलग होने का फैसला किया है।

अब इस रिश्ते में फिर से नया मोड़ आया है। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने सगाई कर ली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आकृति अग्रवाल को अंगूठी पहनाते हुए तस्वीर शेयर की और अपनी नई पारी को लेकर जानकारी दी।

वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026: इंडिया चैंपियंस लगातार 3 हार के बाद कैसे बनाएगी सेमीफाइनल में जगह, वेस्टइंडीज को हराकर मिलेगा टिकट

नई दिल्ली। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (WCL) 2026 में इंडिया चैंपियंस ने युवराज सिंह की कप्तानी में जीत के साथ शुरुआत की थी। पहले मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को मात देते हुए आगाज किया था। उसके बाद टीम जीत की पटरी से उतर गई और लगातार तीन मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में इंडिया चैंपियंस को बांग्लादेश के खिलाफ भी हार झेलनी पड़ी, अब उसकी सेमीफाइनल की राह भी मुश्किल हो गई है। इंडिया चैंपियंस को पिछले तीन मैचों में लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को हराने के बाद टीम इंग्लैंड चैंपियंस, साउथ अफ्रीका चैंपियंस और फिर बांग्लादेश चैंपियंस से हार गई। पाकिस्तान चैंपियंस के बाहर होने के बाद छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट की अंकतालिका में 13 मैचों के बाद भारतीय टीम पांचवें स्थान पर है। जबकि साउथ अफ्रीका की टीम टॉप पर काबिज है। लीग स्टेज में इंडिया चैंपियंस की टीम अपना आखिरी मुकाबला 13 अक्टूबर को वेस्टइंडीज चैंपियंस के खिलाफ खेलेगी। अब यहां से भारतीय टीम के लिए खुद की जीत के साथ-साथ और टीमों के नतीजों पर भी परिणाम निर्भर हैं। हालांकि, इंडिया चैंपियंस पांचवें स्थान पर है जरूर लेकिन उसका नेट रनरेट तीसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस और पांचवें स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज चैंपियंस से अच्छा है। इंडिया चैंपियंस अपने आखिरी लीग मैच में अगर वेस्टइंडीज चैंपियंस को हरा देती है तो सीधे नंबर 4 पर अंकतालिका में आ जाएगी और उसको सेमीफाइनल का टिकट भी मिल सकता है। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को आखिरी लीग मैच में इंग्लैंड चैंपियंस ने मात दी तो भारतीय टीम नंबर 3 पर भी पहुंच सकती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक उमेश कुमार तिवारी द्वारा सैटे लाईट बाबा पब्लिशिंग हाउस लि. प्लाट नं. 20/22 बादशाही रोड़ बुढ़पुर दिल्ली-110036 से मुद्रित व बी-91 स्ट्रीट नं0 6, बापरौला विहार, दास गार्डन, नई दिल्ली110043 से प्रकाशित। सभी विवादों का निपटारा दिल्ली की सीमा में आने वाले समस्त न्यायालयों और फोरमों से किया जायेगा। D.C.P. LICENSING NO. (F2) (G11) PRESS 15 SEPT, 2009